PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 190 ● भिलाई, बुधवार 04 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

अजित पवार की मौत पर संजय राउत ने जताई साजिश की आशंका

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने अजित पवार की मौत को रहस्यमय बताते हुए कहा कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं लगती, बल्कि इसके पीछे कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर है, जिसकी जांच होनी चाहिए। संजय राउत ने कहा कि अजित पवार के साथ जो हादसा हुआ है, उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है और ये सवाल उठने भी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पर्दे के पीछे बहुत कुछ हुआ है, जिसे सामने लाना जरूरी है। राउत के अनुसार, अजित पवार ने हाल ही में कहा था कि वे पुराने घर यानी अपनी पुरानी राजनीतिक स्थिति में लौटना चाहते हैं। राउत ने आरोप लगाया कि इसके बाद भाजपा से जुड़े कुछ लोगों ने अजित पवार को धमकाया था और उनसे सिंचाई घोटाले की फाइल का जिक्र किया गया।

संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस शुरू, पीएम मोदी 4 फरवरी को देंगे जवाब

नई दिल्ली। संसदीय मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देंगे। सोमवार को शुरू हो रही मैराथन बहस की डिटेल्स शेयर करते हुए, उन्होंने कहा कि सर्बानंद सोनोवाल चर्चा शुरू करेंगे और इसमें आज भाजपा के पांच जाने-माने स्पीकर शामिल होंगे। उन्होंने लगातार नेगेटिव सोच रखने और यूनियन बजट के पॉजिटिव पहलुओं को मानने से इनकार करने के लिए विपक्ष की आलोचना भी की। रिजिजू ने कहा कि आज हमारे पास भाजपा के पांच स्पीकर हैं क्योंकि कुल चर्चा का समय 18 घंटे है जो तीन दिनों में फैला हुआ है। इसे ध्यान में रखते हुए, एनडीए को लगभग 55 प्रतिशत समय मिलेगा। प्रस्ताव सर्बानंद सोनोवाल पेश करेंगे और तेजस्वी सूर्या उसका समर्थन करेंगे। उसके बाद, विपक्ष के नेता बोलेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी 4 फरवरी की शाम को जवाब देंगे। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के बाद यूनियन बजट पर विस्तार से बहस होगी।

बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को मिला ग्रैमी अवॉर्ड, दुनिया भर में बना चर्चा का विषय

नई दिल्ली। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने अपने प्रेरणादायक और अर्थपूर्ण जीवन में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ ली है। 90 साल की उम्र में उन्होंने वह कर दिखाया है, जो शायद ही किसी ने सोचा हो। 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में दलाई लामा ने अपना पहला ग्रैमी जीतकर फिर सुर्खियों में आ गए हैं। यह सम्मान उन्हें उनके खास ऑडियो प्रोजेक्ट मेडिटेशन्- द रिफ्लेक्शन्स ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा के लिए मिला है। इस उपलब्धि के बाद दलाई लामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी खुशी जाहिर की।

अमेरिका ने भारत पर लगा टैरिफ घटाया

आलोचना होती रही,पर धैर्य से मिला परिणाम-पीएम मोदी

■ पीएम मोदी और ट्रंप की बातचीत के बाद बड़ा फैसला, अब 25 की जगह 18 प्रतिशत होगा शुल्क

नई दिल्ली/ संवाददाता

अमेरिका ने भारत पर लगाए गए टैरिफको घटा दिया है। भारतीय सामानों पर टैरिफ 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच आज फोन पर बातचीत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में क्या कहा? राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'प्रधानमंत्री मोदी के प्रति मित्रता और सम्मान के कारण और उनके अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से हमने अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति व्यक्त की, जिसके तहत अमेरिका पारस्परिक शुल्क को 25त्न से घटाकर 18त्न कर देगा।'अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'भारत भी इसी प्रकार अमेरिका के विरुद्ध अपने शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को शून्य करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने 500 अरब डॉलर से अधिक के अमेरिकी ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य कई उत्पादों के अलावा, अमेरिकी उत्पाद खरीदने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई।'उन्होंने कहा, 'भारत के साथ हमारे शानदार संबंध भविष्य में और भी मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दो ऐसे व्यक्ति हैं

जो काम को अंजाम देते हैं, जो कि अधिकांश लोगों के बारे में नहीं कहा जा सकता। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। इस बीच, भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, जैसा कि मैंने कई बार कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी को अपना सच्चा मित्र मानते हैं। आज शाम व्यापार समझौते की खबर से बेहद खुश हूं। अमेरिका और भारत के बीच संबंधों में असीमित संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक नई सुबह बताया है। मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में सांसदों द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर भारत के प्रति भरोसा बढ़ा है और अब समय 'मेक इन इंडिया' को नई ऊंचाई पर ले जाने का है। 3 फरवरी, 2026 को संसद परिसर में आयोजित एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सांसदों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान उन्हें अमेरिका की ओर से भारत पर टैरिफ कम करने के फैसले और सफल ट्रेड डील के लिए दिया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब हम इस दिशा में काम कर रहे थे, तब कई लोग लगातार हमारी आलोचना कर रहे थे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के विनिर्माण क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा: सीतारमण

नयी दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को भारतीय सामानों पर अमेरिकी शुल्क में कटौती का स्वागत किया और इस घटनाक्रम को 'मेड इन इंडिया' पहल के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि भारतीय उत्पादों को अब 18 प्रतिशत के कम जवाबी शुल्क का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, मेड इन इंडिया उत्पादों के लिए अच्छी खबर। उन्हें अब 18 प्रतिशत का कम शुल्क देना होगा। इस विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति के नेतृत्व को धन्यवाद। हमारे दो बड़े लोकतंत्रों के लोगों को इससे लाभ होगा।

एम्बुलेंस से विधानसभा पहुंचे अनंत सिंह

शपथ लेने के बाद छुए नीतीश कुमार के पैर....

पटना। बिहार की राजनीति में 'छोटे सरकार' के नाम से मशहूर और मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। मंगलवार, 3 फरवरी 2026 को अनंत सिंह ने बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में औपचारिक रूप से शपथ ली।, जेल में बंद होने और खराब स्वास्थ्य के बावजूद सिंह का शपथ ग्रहण समारोह काफी चर्चा में रहा ह्लक्योंकि वे सूट-बूट पहनकर और एम्बुलेंस के जरिए विधानसभा पहुंचे थे। दुलारचंद यादव हत्याकांड के आरोप में पिछले तीन महीनों से न्यायिक

हिरासत में बंद अनंत सिंह पटना की बेउर जेल में सजा काट रहे हैं।, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण उन्हें एम्बुलेंस से विधानसभा लाया गया। पटना सिविल कोर्ट ने उन्हें केवल शपथ ग्रहण के औपचारिक समारोह में शामिल होने की अनुमति दी थी।

काझाकूटम ब्लॉक पंचायत की पूर्व अध्यक्ष एनी अशोकन, जो पहले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फंट से जुड़ी थीं, ने तिरुवनंतपुरम में बीजेपी मुख्यालय में केरल बीजेपी अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सदस्यता ली।

अविमुक्तेश्वरानंद को दिया अल्टीमेटम

अयोध्या में घुसने नहीं देंगे-परमहंस आचार्य

नई दिल्ली। शंकराचार्य विवाद को लेकर उत्तर अयोध्या की तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का समर्थन किया है। उन्होंने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की अल्टीमेटम देते हुए अयोध्या में प्रवेश न करने देने का ऐलान किया है। अयोध्या स्थिति तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से सीएम योगी पर लगातार की जा रही को लेकर सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने ऐलान किया कि जब तक वह

सीएम योगी से माफी नहीं मांग लेते, तब तक उन्हें रामनगरी अयोध्या में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। परमहंस आचार्य ने कहा कि जिस तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को औरंगजेब और हुमायूं का बेटा कहा है, वह बहुत निंदनीय है।

ममता ने राहुल गांधी को दिया झटका

ममता बनर्जी ने बिना गठबंधन चुनाव लड़ने का किया ऐलान

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बड़ा भूचाल आ गया है। मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एक ऐसी घोषणा की है, जिसने न केवल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बल्कि कांग्रेस और वामदलों के समीकरणों को भी हिला कर रख दिया है। ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी बंगाल की सभी सीटों पर बिना किसी गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ेगी। ममता बनर्जी का यह फैसला राष्ट्रीय स्तर पर बन रहे विपक्षी एकता के

प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से यह कयास लगाए जा रहे थे कि बीजेपी को रोकने के लिए इंडिया गठबंधन के घटक दल बंगाल में मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, ममता बनर्जी ने इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए 'एकला चलो' की रणनीति पर मुहर लगा दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी के इस फैसले के पीछे तीन मुख्य कारण हो सकते हैं। क्षेत्रीय अस्मिता: ममता बनर्जी खुद को बंगाल की बेटी और राज्य के हितों की एकमात्र रक्षक के रूप में पेश करना चाहती हैं। उन्हें लगता है कि किसी भी राष्ट्रीय दल (कांग्रेस या लेफ्ट) के साथ जुड़ने से उनकी क्षेत्रीय मजबूती कम हो सकती है। सीटों का गणित: गठबंधन होने की स्थिति में टीएमसी को कांग्रेस और लेफ्ट के लिए महत्वपूर्ण सीटें छोड़नी पड़तीं, जिससे पार्टी के भीतर असंतोष का खतरा था। त्रिकोणीय मुकाबला: ममता बनर्जी को लगता है कि यदि मुकाबला त्रिकोणीय होता है।

जम्मू-कश्मीर में लगे भूकंप के तेज झटके, रिक्टर स्केल पर 4.6 रही तीव्रता

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में मध्यम तीव्रता का भूकंप आया, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.8 मापी गई। लेकिन, इसका असर दूर-दूर तक हुआ क्योंकि इसका केंद्र बडगाम जिले में था। आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप सुबह 5.35 बजे आया था और इसका केंद्र घाटी के बडगाम जिले में था। भूकंप ने कश्मीर को हिला दिया, क्योंकि इसका केंद्र घाटी में ही बडगाम में था, जो राजधानी श्रीनगर से सिर्फ 21 किमी उत्तर में है। लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकले क्योंकि भूकंप के झटकों से खिड़कियां और दरवाजे हिलने लगे थे।

हाफ एनकाउंटर पर सीएम का बड़ा बयान

सीएम योगी बोले-पुलिस गोली न मारे तो क्या गोली खाए.......

नई दिल्ली/ एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी सरकार का रुख साफकर दिया है। पुलिस मुठभेड़ों को लेकर उठ रहे सवालों पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति सरकार की नीति पूरी तरह 'जीरो टॉलरेंस' की है और इसमें किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि अक्सर यह सवाल किया जाता है कि पुलिस ने गोली क्यों चलाई। उन्होंने पलटकर पूछा कि अगर पुलिस गोली न चलाए तो क्या गोली खाए? उन्होंने साफ

कहा कि जो जिस भाषा में समझेगा, उसे उसी भाषा में समझाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उनकी सरकार में कानून सभी के लिए समान है। कोई अपना या पराया नहीं है। यदि कोई अपना व्यक्ति भी अपराध करेगा, तो उस पर भी वही कठोर कानून लागू होगा जो किसी माफिया पर होता है। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा यह सुनिश्चित करती है कि कार्रवाई कानून के दायरे में रहकर हो, लेकिन अगर कोई अपराधी कानून से डरता ही नहीं है, तो परिस्थितियों के अनुसार कड़ा जवाब देना जरूरी हो जाता है। एनकाउंटर को लेकर होने वाली आलोचनाओं पर सीएम योगी ने कहा कि पुलिस को पिस्तौल और प्रशिक्षण इसी लिए दिया जाता है ताकि वह अपराधियों का डटकर मुकाबला कर सके। अगर अपराधी के पास गोली चलाने की आज़ादी है, तो पुलिस भी आत्मरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जवाबी कार्रवाई करेगी।

संसद में टूटी मर्यादा

स्पीकर के आसन की ओर कागज उछालने वाले सांसद निलंबित

नई दिल्ली। एजेंसी

राजा वड़िंग... सत्र के शेष समय के लिए लोकसभा से निलंबित किए जाने के बाद कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष को ही बोलने नहीं दिया जाएगा तो बाकी विपक्षी सांसदों को कौन सुनेगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कल से बोलना चाहते थे और एक पत्रिका या किताब का हवाला देना चाहते थे, जिसकी प्रामाणिकता भी उन्होंने आज अपने लेटरहेड पर हस्ताक्षर करके दे दी थी। वड़िंग के अनुसार राहुल गांधी ने जैसे ही चीन, डोकलाम, पाकिस्तान और प्रधानमंत्री का जिक्र शुरू किया, सत्ता पक्ष ने शोर मचाना शुरू कर दिया और माइक्रोफोन बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी विपक्षी नेता को बोलने नहीं दिया गया। वड़िंग ने कहा कि लोकतंत्र में यह गलत है। उन्होंने कहा कि लगातार रोके जाने के बाद विपक्ष वेल में गया। उनका कहना है कि वे मर्यादा में विश्वास रखते हैं, लेकिन जब आवाज दबाई जाती है तो विरोध करना पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर राहुल गांधी से इतना डर क्यों है और उनकी बात सुनने में हिचक क्यों है। प्रशांत पडोले... निलंबन के बाद कांग्रेस सांसद प्रशांत पडोले ने कहा कि जो भी जनहित की बात करता है, उसे निलंबित कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में देश के आसपास के देशों की गतिविधियों और भारत के रुख का मुद्दा उठाया था, जिसे सदन को जानना जरूरी है। पडोले के मुताबिक सरकार ने उनकी आवाज दबाने की कोशिश की। जब विपक्ष ने इसका

विरोध किया तो कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दे उठाना उनका कर्तव्य है और वे इसे जारी रखेंगे। गुरजीत सिंह औजला... कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि संसद में देश के सामने खड़े मुद्दे उठाना विपक्ष का कर्तव्य है और सरकार का काम है कि वह जवाब दे। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष को किताबों या बाहरी स्रोतों का हवाला देने से रोका जा रहा है। औजला ने कहा कि चीन का असर बाजार में बढ़ रहा है और विदेशी सामान तेजी से आ रहा है। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार और टैरिफफैसलों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले किसानों की आजीविका की चिंता की बात होती थी, लेकिन अब वह चिंता नजर नहीं आती। उनके अनुसार देश को केवल बाजार बनाकर नहीं चलाया जा सकता, संसद में खुली चर्चा जरूरी है। मणिकम टैगौर... निलंबन के बाद कांग्रेस सांसद मणिकम टैगौर ने कहा कि आठ सांसदों को निलंबित किया गया है, जिनमें सात कांग्रेस और एक माकपा सांसद हैं। उन्होंने कहा कि उनका कसूर सिर्फ इतना है कि वे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहे थे। टैगौर के अनुसार राहुल गांधी को बार-बार रोका गया और प्रामाणिकता देने को कहा गया। आज उन्होंने दस्तावेज देकर वह औपचारिकता भी पूरी की, फिर भी उनका भाषण रोक दिया गया।

राहुल गांधी को बोलने से रोकने पर बढ़ा विवाद

कार्यवाही के दौरान पीठासीन अधिकारी ने राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद अगले वक्ताओं के नाम पुकारे। इस पर विपक्षी दलों ने विरोध जताया। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसदों ने भी बोलने से इनकार कर दिया। इससे सदन में तनाव और बढ़ गया।विपक्षी सांसद विरोध जताते हुए सदन के वेल में पहुंच गए। उन्होंने नारेबाजी की और स्पीकर की कुर्सी की ओर कागज उछाले। हंगामा इतना बढ़ गया कि कार्यवाही चलाना मुश्किल हो गया। बार-बार अपील के बावजूद व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी। इसके बाद उन सभी पर कार्रवाई की गई। फिलहाल संसद का सत्र बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

नई दिल्ली में चमका छत्तीसगढ़, विद्यार्थियों की प्रतिभा व लोकतांत्रिक समझ को मिली राष्ट्रीय सराहना

एकलव्य विद्यालय कोसमबुड़ा ने राष्ट्रीय मॉडल यूथ ग्राम सभा में हासिल किया प्रथम

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के जनपद पंचायत छुरा के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय मॉडल यूथ ग्राम सभा में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया है, यह न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। इस राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि पर उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने विजेता विद्यार्थियों से भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि देशभर के ८०० से अधिक विद्यालयों के बीच प्रथम स्थान प्राप्त करना छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और लोकतांत्रिक सोच का प्रमाण है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ युवाओं को ग्राम स्वराज, सहभागिता और उत्तरदायित्व की भावना से जोड़ती हैं। उन्होंने इस सफलता को छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था में लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। शर्मा ने कहा कि कोसमबुड़ा के विद्यार्थियों ने ग्रामीण समस्याओं की गहन समझ तथा उनके व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर यह सिद्ध किया है कि राज्य के युवा भविष्य के सक्षम नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा मॉडल ग्राम सभा का आयोजन कर स्थानीय समस्याओं की पहचान एवं उनके समाधान प्रस्तुत किए गए। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा की टीम ने ग्रामीण विकास एवं निर्णय प्रक्रिया की उत्कृष्ट समझ का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय को प्रशस्ति पत्र के साथ एक करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि संस्थान के विकास के लिए प्रदान की गई है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव सुनिहारिका बारिक, कलेक्टर बीएस उइके, जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, संचालक पंचायत विभाग सुप्रियंका महोबिया ने विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी बच्चों को बधाइयां दीं।

पी एम श्री शासकीय प्राथमिक शाला लालपुर में एक्सपर्ट टॉक कार्यक्रम, बच्चों को संगीत, योग, साइबर सुरक्षा व स्वास्थ्य की दी गई जानकारी

खैरागढ़। पी एम श्री शासकीय प्राथमिक शाला लालपुर में 31 जनवरी 2026 को एक्सपर्ट टॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, योग एवं संगीत जैसे विभिन्न क्षेत्रों से आए एक्सपर्ट्स ने बच्चों को जीवन उपयोगी एवं व्यवहारिक जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रधान पाठिका प्रेरणा सिंह, शिक्षिकाएं तारन गहरवार, पुष्पांजलि ठाकुर, सुक्रिति सिंह एवं विद्यार्थियों द्वारा सभी आमंत्रित एक्सपर्ट्स का पुष्पहार, बैच एवं गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। संगीत सत्र-संगीत शिक्षक सुशील शर्मा, राकेश भगवाड़े (गायन छात्र, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़) एवं किशन कुमार साहू (तबला छात्र) द्वारा वाद्य यंत्रों के प्रयोग से बच्चों को गायन सिखाया गया तथा संगीत की बारीकियों की जानकारी दी गई। साइबर सुरक्षा जागरूकता- असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर निशि सिंह द्वारा बच्चों को साइबर क्राइम, गुड टच व बैड टच, टोल फ्री नंबरों के उपयोग एवं आवश्यकता पड़ने पर पुलिस से सहायता लेने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य एवं पोषण सत्र-आयुष चिकित्सक श्रुति ठाकुर द्वारा मौसमी बीमारियों, उनके नुकसान एवं बचाव, स्वच्छता, पोषक आहार, विटामिन, आयरन एवं कृमिनाशक गोली की आवश्यकता पर बच्चों से चर्चा की गई।

योग एवं शिक्षा का महत्व-योग शिक्षक दीनदयाल वर्मा द्वारा योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम एवं विभिन्न योगासन कराए गए। वहीं शिक्षक धृतेन्द्र सिंह द्वारा शिक्षा के महत्व एवं सतत सीखने पर बच्चों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्था प्रमुख प्रेरणा सिंह द्वारा सभी एक्सपर्ट्स को शाल, श्रीफल, मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महायज्ञ में आहुति देने ब्रह्मचारी आश्रम पहुंचे सांसद

पूर्णाहुति के साथ लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का समापन

डोंगरगाँव नगर। अंचल में आस्था के केंद्र शिवनाथ नदी किनारे स्थित ब्रम्हचारी आश्रम में 23 जनवरी से आयोजित पाँच कुण्डीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ 01 फरवरी को समापन हुआ। महायज्ञ में आहुति देने लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय सहित जिले व प्रदेशस्तर के अनेक हस्ती सम्मिलित हुए।आश्रम के संत त्रिलोचन ब्रम्हचारी के संरक्षण एवं सानिध्य में आयोजित महायज्ञ में दस दिनों तक चले धार्मिक अनुष्ठानों ने सम्पूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया था। संगीतमय रामचरितमानस महोत्सव रामरंग के अंतर्गत विभिन्न मानस मंडलियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों ने जनमानस को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। वहीं अविरल राम नाम संकीर्तन में सहभागी होकर श्रद्धालुओं ने आत्मिक शांति और तृप्ति का अनुभव किया। महायज्ञ के दौरान क्षेत्रीय एवं प्रदेश स्तरीय जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इसी क्रम में 24 जनवरी को राजनांदगांव जिले के सांसद संतोष पांडे ने आश्रम पहुँचकर श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर सहित अन्य स्थलों के दर्शन किए। सांसद ने यज्ञ परिक्रमा कर भंडारे में श्रद्धालुओं के साथ बैठकर प्रसादी भी ग्रहण किया। पश्चात सांसद ने धर्म मंच से धर्मसभा को संबोधित किया। समापन अवसर पर संत त्रिलोचन ब्रम्हचारी ने महायज्ञ में शामिल समस्त श्रद्धालुओं तथा धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी धर्मानुरागियों, सेवा कार्यों में संलग्न कार्यकर्ताओं, भंडारा व्यवस्था एवं अन्य सेवाओं में योगदान देने वाले सज्जनों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए साधुवाद ज्ञापित किया।

लाभान्वित किसानों में बालोद 95.33 % के साथ प्रदेश में दूसरा और खरीदी में चौथे स्थान पर

1,662 करोड़ 12 लाख की धान खरीदी, की गई 421 करोड़ की वसूली

बालोद। खरीफ़ वर्ष 2025-26 की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 31 जनवरी को समाप्त हो गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश और कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में चली धान खरीदी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, अब उपार्जन केंद्रों से उठाव होना शेष हैं।

जिसके लिए भी कलेक्टर ने जिला विपणन विभाग के आवश्यक निर्देश दिए हैं। 14 जनवरी से 31 जनवरी तक चली इस युद्ध स्तर की धान खरीदी में जिले के एक लाख 47 हजार 880 अन्नदाताओं ने अपनी उपज सरकार को बेची है। बेचे गए धान का कुल रकबा 1 लाख 60 हजार 175.9800 हेक्टेयर है, जिसमें 70 लाख 895 क्विंटल धान की खरीदी की गई हैं। जिसके चलते लाभान्वित किसानों में बालोद जिला 95.33 प्रतिशत के साथ प्रदेश में दूसरे स्थान पर है, धमतरी जिला 95.74 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर हैं। बालोद जिले में पंजीकृत एक लाख 55 हजार 119 किसानों में एक लाख 47 हजार 880 किसानों में धान बेचा है, जिसका प्रतिशत 95.33 है, वही धमतरी जिले में एक लाख 29 हजार 593 किसानों में एक लाख 24 हजार 73 किसानों में धान बेचा है, जिससे लाभान्वित किसानों का प्रतिशत 95.74 हैं। वही 70 लाख 895 क्विंटल खरीदी के साथ बालोद प्रदेश में चौथे स्थान पर है। एक करोड़ 1 हजार 871 क्विंटल के साथ महासमुंद पहला, 85 लाख 45 हजार 224 क्विंटल के साथ बेमेतरा दूसरा और 79 लाख 10 हजार 2 क्विंटल के साथ बलौदाबाजार चौथे स्थान पर है।

35.37 क्विंटल धान उठाव हेतु शेष

उल्लेखनीय है कि जिले के 143 केंद्रों में 14 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक 1 लाख 47 हजार 880 किसानों से 70 लाख 895 क्विंटल धान की खरीदी की गई हैं। धान बेचने वाले किसानों का कुल प्रतिशत 95.33 हैं। खरीदी की गई धान की कुल राशि 1,662 करोड़ 12 लाख रुपये है, जिसमें 421 करोड़ रुपये किसानों से वसूली कर उनके खाते में 1,241 करोड़ 12 लाख का शुद्ध भगतान किया गया है। वही सोमवार तक की स्तिथि में मिलर को 21 लाख 66 हजार 908 और संग्रहण केंद्रों में 12 लाख 96 हजार 79 क्विंटल धान संग्रहण केंद्रों में प्रदान किया गया है। जिसके बाद अब ख़रीदी केंद्रों 35 लाख 37 हजार 907 क्विंटल धान उठाव हेतु शेष हैं। बता दे कि धान उठाने वाले मिलो की संख्या 114 हैं और 4 संग्रहण केंद्र जगतरा, धोबनपुरी, फुण्डाभाठा और मालीघोरी में धान संग्रहित किया किया जा रहा है।

फैक्ट आंकड़ा- (क्विंटल)	कुल उपार्जित मात्रा
मोटा धान	- 25,27,847
पतला धान	- 18,04,808
सरना धान	- 26,68,239
कुल योग	- 70,00,895

सम्मान पाने के लिए अहंकार को दूर करना होगा : आचार्य नंदकुमार शर्मा

तिल्दा नेवरा । समीपस्थ ग्राम सरफोंगा मे जारी भागवत कथा मे सोमवार को भागवत आचार्य पंडित नंदकुमार शर्मा जी, निनवा वाले ने मानव जीवन के कर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य अपने कर्म और व्यवहार के द्वारा ही सम्मान प्राप्त करता है. जो दूसरे का सम्मान करना जानते है उसे ही सम्मान मिलता है. किसी कार्य के छोटे या बड़ा होने से सम्मान नहीं मिलता है बल्कि कार्य को ईमानदारी और परिश्रम के साथ करने से सम्मान मिलता है. दूसरों को नीचा दिखाकर उनका अपमान करने के बाद स्वयं सम्मान पाने की लालसा कभी नहीं करे. उन्होंने कहा कि अपने आप को श्रेष्ठ समझकर दूसरे को कमजोर नहीं समझना चाहिए. आचार्य जी ने सूर्यवंश के राजा अम्बरीष की कथा सुनाए. राजा अम्बरीष और उनकी पत्नी दोनों मिलकर का एकादशी का व्रत करते थे जिनकी चर्चा तीनों लोक मे होने लगी. परन्तु दुर्वासा ऋषि अपने आप को श्रेष्ठ मानकर उनके व्रत को भंग करवा कर राजा अम्बरीष और उनकी पत्नी को लोगों के समाने अपमानित करना चाहा. लेकिन भगवान ने उनके व्रत को भंग होने नहीं दिया और अपने सुदर्शन चक्र के द्वारा राजा और रानी दोनों की रक्षा कराए और ऋषि दुर्वासा को दंड देकर उनके अभिमान को दूर किया. आचार्य शर्मा ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करना और ज्ञानी होना अच्छी बात है परंतु अपने ज्ञान का घमंड करना और अपने आप को ही श्रेष्ठ और उत्तम समझना ये गलत होता है.

शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय सरारीडीह में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वार्षिक उत्सव

तिल्दा नेवरा । शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय सरारीडीह में ग्राम पंचायत सरारीडीह के सहयोग से वार्षिक उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक उमंग के साथ किया गया। यह कार्यक्रम उत्साह, आनंद और छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर रहा।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधान पाठक, ग्राम पंचायत के सरपंच एवं प्रतिनिधिगण, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष व सदस्य, शंकु समन्वयक, विद्यालय का समस्त स्टाफ, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामवासियों की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को यादगार एवं सफल बनाया। वार्षिक उत्सव के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति से जुड़े गीतों एवं नृत्यों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही, जिससे उनका उत्साह और बढ़ता गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने बच्चों का मनोबल बढ़ाया और सामुदायिक एकता व सहयोग का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय सरारीडीह का यह वार्षिक उत्सव सफल, प्रेरणादायक एवं भव्य रूप से संपन्न हुआ।

लक्ष्मी नारायण मंदिर सत्संग भवन में विश्व हिन्दू परिषद की जिला स्तरीय बैठक

सरायपाली। विश्व हिंदू परिषद का जिला स्तरीय बैठक सरायपाली के लक्ष्मी नारायण मंदिर (सत्संग भवन) में संपन्न हुआ, बैठक का प्रारंभ दीप प्रज्वलन, ब्रम्हनाद,एकता मंत्र ,विजय महामंत्र के साथ प्रारंभ हुआ, बैठक तीन सत्रों में हुआ प्रथम सत्र अभ्यास सत्र का हुआ जिसमें विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री बसंत देवता ने विश्व हिंदू परिषद के अचार पद्धति बैठक के बारे में विस्तार से जानकारी दी ,द्वितीय सत्र योजना का हुआ इसमें राजीम विभाग के विभाग मंत्री सौरव अग्रवाल ने धर्म रक्षा निधि वह वार्षिक कार्यक्रम के विषय पर मार्गदर्शन दिया, तृतीय सत्र संवाद में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन चंद्राकर ने महासमुंद जिले में विगत 6 महीना में हुए कार्यक्रम का वाचन किया ,व धर्म रक्षा निधि कैसे करना है इस विषय में जानकारी दिए , केंद्रीय बैठक में कुछ प्रस्ताव पारित हुआ था,इसका वाचन अनीता चौधरी, ममता शीतल मिश्रा, गितेश पंडा ,गणेश राम साहू ने किया, विश्व हिंदू परिषद के इस जिला बैठक में महासमुंद जिले के सभी प्रखंडों से कार्यकर्ता शामिल हुए, महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा , बसना, व सरायपाली प्रखंड के विभाग ,जिला ,प्रखंड एवं खंड समिति के विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ता शामिल हुए, बैठक में सभी प्रखंडों के पालक अधिकारी तय किए गए, महासमुंद नगर एवं ग्रामीण के पालक अधिकारी सौरव अग्रवाल, बागबाहरा प्रखंड के पालक अधिकारी बसंत देवता, पिथौरा प्रखंड के पालक अधिकारी हर्षवर्धन चंद्राकर, बसना प्रखंड के उत्तम वर्मा जी व सरायपाली नगर व ग्रामीण के अखिलेश लूनिया को पालक अधिकारी का दायित्व दिया गया।

लालपुर प्राथमिक शाला में वार्षिक उत्सव व शाला विकास समिति की बैठक संपन्न,

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बिखेरा रंग

खैरागढ़। पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला लालपुर में शाला का वार्षिक उत्सव एवं शाला विकास समिति की बैठक गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। कार्यक्रम में शाला की शैक्षणिक उपलब्धियों, सांस्कृतिक गतिविधियों और विकासात्मक प्रयासों की समग्र झलक देखने को मिली। मुख्य अतिथि वार्ड की पार्षद त्रिवेणी राजेश देवांगन रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला विकास समिति के अध्यक्ष राजेश देवांगन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड के वरिष्ठ नागरिक रमेशर मेंद्र एवं नेमीचंद मारकंडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में बच्चों ने समूह नृत्य, एकल नृत्य, देशभक्ति गीत, कविता पाठ, लोकनृत्य एवं नाटक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इसी क्रम में आयोजित शाला विकास समिति की बैठक में शैक्षणिक प्रगति, बच्चों के सर्वांगीण विकास, मध्यान्ह भोजन, स्वच्छता, खेलकूद तथा नवाचार गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। सदस्यों ने शाला के उन्नयन हेतु रचनात्मक सुझाव भी दिए। समापन अवसर पर विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रोत्साहन सामग्री वितरित की गई। प्रधान पाठिका प्रेरणा सिंह ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों व विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम शिक्षकों, पालकों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

क्षमता निर्माण के तहत जिला स्तरीय मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण आयोजित

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान उचित प्रबंधन एवं सही उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ करना था

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा में क्षमता निर्माण के तहत जिला स्तरीय मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण का किया गया आयोजन, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली के कारण समाज में तेजी से बढ़ रही मनोवैज्ञानिक समस्याओं को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा गंभीर पहल की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर सुप्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर एवं सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में केपिसिटी बिल्डिंग (सामर्थय निर्माण) कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा अधिकारियों,अधिकारी, कर्मचारी एवं स्वास्थ्य कर्मियों का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण सात चरणों में सीएमएचओ कार्यालय मीटिंग हाल में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण सात् चरणों में आयोजित किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के समस्त आर एम ए ,आर एच ओ महिला , सी एच ओ , स्टॉफ नर्सेस् , सी एच ओ , आर एच ओ पुरुष , को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान, उचित प्रबंधन एवं सही उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ करना रहा। उक्त प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में मनोरोग मनोवैज्ञानिक डॉ. नरेन्द्र वर्मा ने प्रशिक्षण दिया, उनके साथ चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्राकिरण राजपूत जिला मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी उपस्थित रहे ।वही सी एम एच ओ कार्यालय से अधिकारी, कर्मचारी एवं जिला चिकित्सालय स्टॉफ के लोगो को भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया । जिसमें डॉ. नरेन्द्र वर्मा ने जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए न्यूरोटिक समस्याओं जैसे अवसाद, एंग्जायटी डिसऑर्डर, समाटोफॉर्म डिसऑर्डर पर जानकारी साझा किया, साथ ही बच्चों एवं किशोरों में पाई जाने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, एडीएचडी, लर्निंग डिसेबिलिटी तथा मोबाइल एडिक्शन के संकेत, कारण एवं उपचार के विषय में विस्तार से समझाया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया कि मनोवैज्ञानिक समस्याएं शारीरिक रोगों से अलग होती हैं तथा इनके उपचार में केवल दवाइयों के साथ-साथ साइकोथेरेपी एवं काउंसलिंग अत्यंत आवश्यक है। साथ ही जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बी एल राज ने आमजन को झोलाछाप चिकित्सकों अथवा अवैध मनोवैज्ञानिकों के पास न जाने की सलाह दी। मनोवैज्ञानिक डॉ. नरेन्द्र वर्मा द्वारा सायकोटिक समस्याओं जैसे स्किज़ोफ्रेनिया एवं मेनिया के लक्षण, कारण एवं उपचार की भी जानकारी दी गई,तथा छत्तीसगढ़ में प्रमुख नशा(व्यसन)- विशेषकर शराब एवं तंबाकू से होने वाले मानसिक नुकसान एवं उनके प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण के दौरान सीएचओ टीम द्वारा लघु नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से मानसिक रोगों से जुड़े मिथकों, उनकी वास्तविकता एवं उपचार के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे प्रतिभागियों ने सराहा। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित निःशुल्क टेली-मानस सेवा के हेल्पलाइन नंबर 14416 की उपयोग अधिक जानकारी हेतु किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

तेंदूभाटा में सजा कर्मा नृत्य महोत्सव, लोकसंस्कृति की छटा बिखरी

रायपुर। राज्य शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से लोकमया छत्तीसगढ़ी लोककला मंच ने बेमेतरा जिले के ग्राम तेंदूभाटा (विकासखंड साजा) में कर्मा नृत्य महोत्सव का आयोजन किया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे स्थानीय नर्तक दलों ने जीवंत प्रस्तुतियों से सैकड़ों दर्शकों का मन मोह लिया। वरिष्ठ साहित्यकार व लोकसंस्कृति विशेषज्ञ डॉ. परदेशी राम वर्मा ने जानकारी दी कि राज्य अलंकरण से सम्मानित घनश्याम सिंह ठाकुर मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विषय विशेषज्ञ डॉ. भुनेश्वर साहू ने की, जबकि पंडवानी गायक महेन्द्र चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। तेंदूभाटा के घनश्याम सिंह ठाकुर के दल ने 20 कलाकारों के साथ मांदर और झाँझ की ताल पर उत्साहपूर्ण कर्मा नृत्य प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कबीरधाम जिला (कवर्धा) के सुहागपुर से आए राधेश्याम साहू के नेतृत्व में दल ने अपनी प्रस्तुति दी। ग्राम भाटाटोला की नृत्य मंडली ने भी लोकशैली का मनमोहक प्रदर्शन किया। आयोजन की सफलता पर घनश्याम सिंह ठाकुर ने छत्तीसगढ़ शासन का संस्कृति विभाग तथा लोकमया लोककला मंच के अध्यक्ष महेश वर्मा सहित सभी कलाकारों और सहयोगियों का आभार जताया। डॉ. भुनेश्वर साहू और महेन्द्र चौहान ने भी लोकसंस्कृति संरक्षण पर विचार व्यक्त किए। 24 जनवरी को सम्पन्न यह आयोजन आसपास के कई गाँवों के लिए यादगार बन गया। कर्मा नृत्य छत्तीसगढ़ के आदिवासी एवं मैदानी क्षेत्रों की प्रमुख लोक परंपरा है, जिसकी शैली क्षेत्र अनुसार बदलती है। लोकमान्यता है कि अकाल के समय राजा ने करम सैनी वृक्ष की डाली रोपकर नृत्य किया और खेती आरंभ की—यहीं से इस नृत्य की परंपरा जुड़ी मानी जाती है। यह नृत्य कृषि संस्कृति और धरती माता से गहरे रूप से जुड़ा है तथा बुवाई और नई फसल के आगमन पर विशेष रूप से किया जाता है। बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों में इसकी अलग-अलग शैलियाँ देखने को मिलङ्ती हैं। दशहरा और दीपावली जैसे पर्वों पर भी यह उत्साहपूर्वक किया जाता है। कर्मा नृत्य में महिलाएँ और पुरुष दोनों भाग लेते हैं, जिनकी अलग-अलग मंडलियाँ होती हैं।

नौकरी लगाने का झांसा देकर 10 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले के एक शख्स से उसकी बेटी और भांजे की अधीक्षक की नौकरी लगाने के नाम पर 10 लाख रुपए की ठगी हुई है। आरोपी खुद फार्मासिस्ट है। उसने पीड़ित को बताया था कि उसके जीजा व्यापम में अधिकारी हैं। नौकरी लगवा देंगे। वहीं अब पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मामले की शिकायत 29 जनवरी 2026 को बोधघाट थाने में दर्ज की गई थी। जगदलपुर कुम्हारपारा के रहने वाले प्रार्थी अनंत राम कश्यप ने पुलिस को बताया कि आरोपी प्रमोद सिंह भार्गव (43) से इसकी जान पहचान थी। ये बजरंगपुर नवागांव जिला राजनांदगांव का रहने वाला है। वर्तमान में कोंडागांव जिले के ग्राम बड़े करेंगा में फार्मासिस्ट के पद पर पदस्थ था। आरोपी ने खुद को प्रभावशाली बताकर और अपने जीजा को व्यापम अधिकारी बताते हुए उसकी बेटी और भांजी को आश्रम अधीक्षक के पद पर नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। इसके एवज में आरोपी ने अलग-अलग किस्तों में 10 लाख रुपए ले लिए। बाद में जब न नौकरी लगी और न ही रुपए वापस किए गए, तब ठगी का खुलासा हुआ। शिकायत के आधार पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को कोंडागांव से हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार किया, साथ ही पुलिस को पर्याप्त साक्ष्य भी मिले। इसके बाद 31 जनवरी 2026 को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है।

रेलवे ट्रैक में मादा चीतल की लाश मिली, मालगाड़ी से कटने की आशंका

रायपुर। जिले में ट्रेन की चपेट में आने से एक मादा चीतल की मौत हो गई। यह दुर्घटना बालोद-दल्लीराजहरा रेलमार्ग पर भैंसबोड़ रेलवे क्रासिंग के समीप हुई। जानकारी के अनुसार, वन्यजीवों का एक झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी वहां से गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में एक मादा चीतल आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चीतल के शरीर के दो हिस्से हो गए और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। विभाग ने पशु चिकित्सकों से मृत मादा चीतल का पोस्टमार्टम कराया। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, मृत चीतल की उम्र करीब पांच वर्ष थी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोपहर करीब एक बजे बालोद शहर स्थित बैरियर वन डिपो में चीतल का विधिवत अंतिम संस्कार किया गया। भैंसबोड़ क्षेत्र का घना जंगल चीतल, कोटरी और हिरण जैसे वन्यजीवों के लिए अनुकूल माना जाता है। इस इलाके में चीतलों के कई बड़े झुंड निवास करते हैं, जो अक्सर पानी की तलाश में जलाशय की ओर जाते समय रेलवे ट्रैक पार करते हैं। इसी आवाजाही के दौरान यह दर्दनाक हादसा हुआ।

पश्चिमी विक्षोभ से बदलेगा छत्तीसगढ़ का मौसम, उत्तरी भागों में बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम एक बार फिर बदलाव के संकेत दे रहा है। रविवार को प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है, लेकिन सोमवार से उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में बादल सक्रिय हो सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। मौसम में यह परिवर्तन पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण हो रहा है, जो उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित कर रहा है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि इस समय एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर अफगानिस्तान और उससे लगे क्षेत्रों में चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण के रूप में सक्रिय है, जो समुद्र तल से लगभग 3.1 किलोमीटर से लेकर 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है। साथ ही मध्य पाकिस्तान के ऊपर भी करीब 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक एक प्रेरित चक्रीय परिसंचरण बना हुआ है। इन मौसमी प्रणालियों का असर धीरे-धीरे छत्तीसगढ़ तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 1 फरवरी को पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है, जबकि 2 फरवरी से उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में वर्षा की गतिविधियां शुरू हो सकती हैं। इसके अलावा 5 फरवरी को एक और पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना जताई गई है, जिसका अप्रत्यक्ष असर प्रदेश के मौसम पर भी देखने को मिल सकता है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के न्यूनतम तापमान में लगभग एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

पुस्तक के रचनाकार श्री रामप्रसाद बघेल को उप मुख्यमंत्री ने बधाई

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने राजा भोरमदेव की कहानी पुस्तक का किया विमोचन

- उन्होंने आग्रह किया कि वे इस पुस्तक को पढ़ें और इसके संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करें
- कहानी में एक प्राचीन राजवंश के शासक राजा परसमनिधर देव तथा रानी नागमती की गहन तपस्या और दिव्य-वैज्ञानिक शक्तियों का विवरण भी मिलता है

रायपुर। संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज विधायक कार्यालय कवर्धा में द स्टोरी ऑफ किंग भोरमदेव 'राजा भोरमदेव की कहानी' पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के रचनाकार श्री रामप्रसाद बघेल को उप मुख्यमंत्री ने बधाई तथा आगे के सफल साहित्यिक कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक जिलेवासियों के लिए गर्व का विषय है तथा इससे हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं को नयी पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। यह कहानी अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है इस पुस्तक के प्रकाशन से भोरमदेव की ख्याति को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि पुस्तक न केवल राजा भोरमदेव के जीवन और काल की महिमा को उजागर करता है, बल्कि मनुष्य, प्रकृति और चेतना के बीच संतुलन की गूढ़ दार्शनिकता को भी बखूबी प्रस्तुत करता है। उन्होंने आग्रह किया कि वे इस पुस्तक को पढ़ें और इसके संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करें। लेखक श्री रामप्रसाद बघेल ने बताया कि 'राजा भोरमदेव की कहानी' की शुरुआत एक प्राचीन और रहस्यमयी युग से होती है, जब पृथ्वी पर आकाश से गिरा एक विशाल धूमकेतु ने न केवल प्राकृतिक संतुलन को बाधित किया, बल्कि अंधकार से ऊर्जा प्राप्त करने वाले ड्रैगन जैसे घातक प्राणियों का आगमन भी किया। ये प्राणी अंधकार में और अधिक शक्तिशाली होते गए तथा धीरे-धीरे संपूर्ण पृथ्वी को एक भयावह अनंत संध्या की ओर ले जाने लगे, जहाँ मानव, पशु और प्रकृति कोई भी सुरक्षित नहीं रहा। कथा का प्रमुख नायक कुरुगुरु भद्रदेव बैगा है, जो विज्ञान, अध्यात्म एवं प्रकृति के संतुलन को समझता है। विद्वानों के नेतृत्व में यह खोज की जाती है कि ड्रैगनों के माथे पर चमकता नीला चिह्न कोई सजावट नहीं, बल्कि अंधकार से ऊर्जा खींचने वाला यंत्र है, और जैसे-जैसे अंधकार बढ़ता है, वे और अधिक अजेय बनते जाते हैं। कहानी में एक प्राचीन राजवंश के शासक राजा परसमनिधर देव तथा रानी नागमती की गहन तपस्या और दिव्य-वैज्ञानिक शक्तियों का विवरण भी मिलता है। राजा के पास पारस रत्न है, जो सूर्य की ऊर्जा से पदार्थ और जीवन को रूपांतरित करने की क्षमता रखता है, जबकि रानी नागमती के पास नागमणि यंत्र है, जो किसी भी पदार्थ को नष्ट करने अथवा विष को निष्प्रभावी बनाने की शक्ति रखता है। कहानी केवल युद्ध और संघर्ष की नहीं है, बल्कि प्रेम, नियति एवं चेतना की भी है। झील के तट पर बिना शब्दों के केवल दृष्टियों और अनुभूतियों से राजा और रानी का प्रेम जन्म लेता है। उनका विवाह दो शक्तिशाली वंशों का नहीं, बल्कि विज्ञान, प्रकृति और चेतना के मिलन का प्रतीक बनता है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशीराम धुर्वे, श्री संतोष पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कवर्धा श्री गणेश तिवारी, बोडला श्री नंद श्रीवास, श्री नरेंद्र मानिकपुरी, श्री मनीराम साहू, श्री अमर कुर्रे, श्री प्रवीण शर्मा, श्री श्री जसबीर सालुजा, श्री शैलेन्द्र उपाध्याय सहित जन प्रतिनिधि, क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजट 2026-27 भारत के स्वर्णिम युवा युग का बजट : धरमलाल कौशिक....

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने प्रस्तुत बजट 2026-27 हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का माना आभार।पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने आज संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने इस बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बजट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का वह वचन फिर से पूरा हुआ है कि जिन्हें कोई नहीं पूछता, उन्हे मोदी जी पूजते हैं। केंद्र सरकार के तीन कर्तव्य ग्रोथ को बढ़ावा देना निवेश, उद्योग और रोजगार सृजन को मजबूत करना। (2) जनता की उम्मीदों को पूरा करना सामान्य नागरिकों को अधिक सुविधाएं और अवसर देना। (3) सबका साथ, सबका विकास विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना। यह कर्तव्य भारत देश को स्वर्णिम युग और विश्वगुरु बनाने में एक अनूठा पहल है। उन्होंने कहा कि समाज के मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्गों के उत्थान के लिए यह बजट ऐतिहासिक और क्रांतिकारी होगा। मोदी सरकार ने सार्वजनिक निवेश पर मजबूत जोर को कायम रखते हुए दूरगामी संरचनात्मक सुधारों, राजकोषीय मितव्ययिता और मौद्रिक स्थिरता को निरंतर बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखते हुए, मोदी सरकार ने घरेलू उत्पादन क्षमता एवं ऊर्जा सुरक्षा का निर्माण किया है और आयात पर निर्भरता में कमी लाई है। इसके साथ-साथ नागरिक-आधारित विकास को सुनिश्चित किया गया है और रोजगार सृजन, कृषिगत उत्पादकता, परिवारों की क्रय शक्ति और लोगों को सार्वभौमिक सेवाएं प्रदान करने हेतु विभिन्न सुधारों को अपनाया गया है।श्री कौशिक ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में देश के तीन राज्यों—छत्तीसगढ़, ओडिशा और केरल—के लिए माइनिंग कॉरिडोर विकसित करने का ऐलान किया है जिससे खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही सभी राज्यों के सभी जिलों में छात्राओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल बनाने की योजना रखी गयी है जिससे हर ज़िले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने से छत्तीसगढ़ की लड़कियों को एस्ट्रोफिजिक्स, एस्ट्रोनॉमी, मेडिसिन और इंजीनियरिंग जैसे मुश्किल फील्ड्स में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। भारत को मेडिकल वैल्यू टूरिज़्म का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। इसके तहत निजी क्षेत्र की भागीदारी से पाँच क्षेत्रीय मेडिकल टूरिज़्म हब स्थापित करने के लिए राज्यों को सरकारी समर्थन दिया जाएगा।

जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजना ने खोले आजीविका के नए रास्ते

- पशु शेड बना तरक्की का आधार
- गौ पालक लोमेश साहू को मिले पशु शेड से दूध व्यवसाय में आई समृद्धि।

रायपुर। संवाददाता

यह कहानी है विकासखण्ड कवर्धा के ग्राम पंचायत चरडोंगरी की जहां गौ पालक श्री लोमेश साहू पिता तुकाराम को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत पक्का पशुशेड बनाये जाने की। हितग्राही लोमेश साहू एक कृषक और गौ पालक है जिसका जीवन कृषि पर निर्भर है। कृषि कार्य में गौ धन महत्वपूर्ण है जिसके लिए लोमेश को पक्के पशु शेड की आवश्यकता थी जिसे महात्मा गांधी नरेगा योजना से पूरा किया गया। लोमेश साहू के पास पशुधन है जिनके लिए पूर्व में कच्चा आश्रय था, जिसमें साफ सफाई की प्रमुख समस्या बनी रहती थी। कच्चा फर्श होने के कारण गोबर एवं गौमूत्र के प्रबंधन में समस्या होती थी जिससे कारण गंदगी अधिक होने लगता था। प्रमुख रूप से वर्षा के दिनों में पशुओं को खुले में रखने की चुनौती बनी रहती थी, अचानक बारिस हो जाने से गोधन को बचाना बड़ी समस्या रही। पशु शेड निर्माण कार्य में हितग्राही को ग्राम पंचायत का पूर्ण सहयोग रहा जिससे उन्हें किसी भी प्रकार से समस्या का सामना नहीं करना पड़ा और काम स्वकृत हो गया। पक्का पशु शेड 53 हजार रूपये की लागत से महात्मा गांधी नरेगा योजना से स्वीकृत हुआ। स्वंय के पशु शेड निर्माण कार्य के लिए हितग्राही लोमेश साहू को 4919 रूपये का मजदूरी राशि प्राप्त हुआ जो उनके बैंक खाते में गया।निमार्ण कार्य में कुल 36 मानव दिवस का रोजगार सृजन हुआ। ग्राम पंचायत के सहयोग से पक्का पशु शेड बनकर तैयार हो गया है। कृषि एवं दूध का व्यवसाय साथ- साथ चल रहा है। दूध व्यवसाय को और आगे बढ़ाने के लिए मद्द की आवश्यकता थी।लेकिन संसाधनों की कमी के कारण रूकावट आ रही थी। मनरेगा योजना से पक्का पशु शेड बन जाने से अब गौवंश के रहने हेतु आश्रय मिला गया है जिससे अब वे कृषक कार्य के साथ-साथ दुध व्यवसाय अच्छे से कर रहें है। गौ पालक लोमेश साहू ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताते है कि पशु शेड बनाने के पूर्व गोधन को सुरक्षित रखने की चिंता बनी रहती थी।

बजट में छत्तीसगढ़ का विशेष ध्यान रखा गया है-अरुण साव

- दुर्लभ खनिजों पर सीमा शुल्क में कटौती का सीधा छत्तीसगढ़ को मिलेगा, जिससे राज्य में निवेश की संभावनाएँ बढ़ेंगी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रविवार को संसद में प्रस्तुत बजट प्रस्ताव को जनकल्याणकारी बताते हुए कहा कि विकसित भारत की रचना में सबका साथ, सबका विकास की भावना को केंद्र में रखा गया है। बजट प्रस्ताव में छत्तीसगढ़ का विशेष ध्यान रखे जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार मानते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण घोषणा जनजातीय समुदायों के स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़ी है। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ सहित 8 राज्यों में जनजातीय स्वास्थ्य वेधशालाएं स्थापित करने का निर्णय लिया है। बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में पीवीटीजी बस्तियों को जोड़ने के लिए सड़क निर्माण हेतु अतिरिक्त बजटीय आवंटन किया गया है। राज्य के जनजातीय स्कूलों में खेल सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए वार्षिक रूप से खेल हब विकसित किए जाएंगे। इसी प्रकार राज्य में खनिज परिवहन और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए रेलवे को प्राथमिकता दी गई है। श्री साव ने कहा कि धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए केंद्र और राज्य की साझा योजनाओं पर भी जोर है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में 8 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास के निर्माण के लिए केंद्रीय सहायता का हिस्सा बढ़ाया गया है।

ठेकेदार की फिल्टर प्लांट में मिली लाश, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। जिले के नगर पंचायत पलारी में उस समय हड़कंप मच गया, जब महानदी नल जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने वाले ठेकेदार की लाश फिल्टर प्लांट परिसर में मिली। मृतक का शव रोहंसी रोड स्थित फिल्टर प्लांट की ऊपरी मंजिल पर औंधे मुंह पड़ा हुआ था, जिसके माथे पर हल्के चोट के निशान और खून बहने के प्रमाण मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार दोपहर की बताई जा रही है। ठेकेदार उस समय कार्यस्थल पर अकेला था। जबकि, मजदूर महानदी-अमेठी क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने के कार्य में गए हुए थे। इसी दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा ठेकेदार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन कॉल का कोई जवाब नहीं मिला।

घर वापसी से मिली उम्मीद की नई किरण

विधायक के प्रयासों से आदिवासी परिवार के 64 लोग जुड़ें अपनी जड़ों से

- विधायक भावना बोहरा ने आदिवासी परिवार के 64 लोगों की घर वापसी पर किया अभिनंदन, वनांचल क्षेत्र में आपातकालीन सेवा हेतु 2 बाइक एमबुलेंस का किया शुभारम्भ

रायपुर/ संवाददाता

पंडरिया विधानसभा में आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्रों में विधायक भावना बोहरा के प्रयासों, विकास कार्यों और जनसुविधाओं के विस्तार से प्रेरित होकरआदिवासी परिवार के 64 लोगों ने अपने मूल धर्म में घर वापसी की। आज ग्राम दमगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव सम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह में विधायक भावना बोहरा ने उनके पैर पखारकर स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने वनांचल क्षेत्रों में आपातकालीन सेवा के लिए विधायक निधि से 2 बाइक एमबुलेंस का शुभारंभ भी किया। इस बाइक एमबुलेंस से छीरपानी एवं कुई-कुकदुर सहित आस पास के दर्जनों वनांचल, दूरस्थ एवं दुर्गम गांव को इसका लाभ मिलेगा। आपातकालीन समय मे त्वरित स्वास्थ्य सुविधा व अस्पताल तक पहुंच सुनिश्चित होगी जिससे सैकड़ों परिवार को त्वरित उपचार की सुविधा मिलेगी। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों से आदिवासी एवं वनवासी समाज अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर पुन: लौट रहें हैं जो धर्मांतरण करने वाले लोगों की मंशा पर कड़ा प्रहार है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल क्षेत्र नेऊर के आस-पास के गांव से 115 एवं कुई-कुकदुर क्षेत्र के 70 आदिवासी नागरिकों ने घर वापसी की थी। लगातार हो रही इन पहलों से जनजातीय समाज में नई आशा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आदिवासी समाज भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं का संवाहक रहा है। प्रकृति-पूजा, लोकदेवताओं की आराधना और सामुदायिक जीवनशैली हमारी सनातन परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व भोले-भाले आदिवासी भाई-बहनों को प्रलोभन देकर गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब जनजातीय समाज स्वयं अपनी अस्मिता और विरासत को पहचान रहा है। घर वापसी किसी पर दबाव नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान को पुन: स्वीकार करने का स्वैच्छिक निर्णय है, जो भारतीय अस्मिता की रक्षा से जुड़ा हुआ है। उनके इस निर्णय और वनांचल एवं आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए विधायक निधि से 2 बाइक एम्बुलेंस उनकी सेवा में समर्पित किया है। दुर्गम और दूरस्थ इलाकों में जहाँ सड़क सुविधा सीमित है, वहाँ बाइक एम्बुलेंस समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। आपात स्थिति में मरीजों तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी, जिससे समय की बचत होगी। गर्भवती माताओं, गंभीर रोगियों और दुर्घटना पीड़ितों को प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य केंद्र तक शीघ्र पहुंचाया जा सकेगा। वनांचल एवं आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को बेहतर, सुलभ और भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। हमें विश्वास है कि यह पहल वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों के जीवन की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक सार्थक सिद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग अपने निजी स्वार्थ और लाभ के लिए आदिवासी समाज को गुमराह कर रहें हैं यदि वास्तव में उन्हें आदिवासी समाज की चिंता होती, तो उन्हें उनके इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और जनजातीय नायकों के संघर्षों से अवगत कराया जाता, न कि भ्रमित किया जाता। आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में आदिवासी समाज के समग्र विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं।

संपादकीय

ऐतिहासिक व्यापार समझौता, तरक्की के खुलेंगे नए रास्ते

इंडियन ईयू-एफटीए बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच भारत अपनी आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में अब भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक समझौता होने वाला है, जिसकी घोषणा द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में किए जाने की संभावना है। इसके तहत रक्षा क्षेत्र, समुद्री सुरक्षा एवं आतंक के खिलाफ साझा मोर्चेबंदी, भारतीय और यूरोपीय नागरिकों की आसान आवाजाही तथा वस्त्र उद्योग एवं प्रौद्योगिकी जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए द्वार खुलेंगे। यह समझौता इसलिए भी अहम होगा, क्योंकि माना जा रहा है कि इससे अमेरिका की शुल्क नीति के प्रभाव से निपटने के लिए भारत और यूरोपीय देशों के बीच साझा एवं व्यापक दृष्टिकोण विकसित होगा। अनुमान है कि इस समझौते से दो अरब लोगों का एक ऐसा बाजार बनेगा, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। इससे न केवल भारत के निर्यात को गति मिलेगी, बल्कि यहां के पेशेवरों के लिए यूरोपीय देशों में रोजगार पाने का रास्ता भी सुगम हो जाएगा। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ है। नतीजतन, भारत अपने उत्पादों के लिए दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने के हर संभव प्रयास में जुटा है। हाल ही में भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार एवं व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को अंतिम रूप दिया है। इससे पहले ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए गए थे। यूरोपीय संघ के साथ भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार वर्ष 2007 में शुरू की थी, लेकिन कुछ मसलों पर आपसी सहमति न बनने के कारण वर्ष 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी। जून, 2022 में वार्ता को फिर से आगे बढ़ाया गया, जो निर्णायक रही। अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़े जानकारों का मानना है कि यह ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने में गुणात्मक बदलाव लाएगा। माना जा रहा है कि शिखर सम्मेलन में मुक्त व्यापार समझौते को मंजूरी देने के अलावा दोनों पक्ष रक्षा ढांचागत समझौता और एक रणनीतिक एजंडा भी प्रस्तुत करेंगे। गौरतलब है कि भारत और यूरोपीय संघ वर्ष 2004 से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। प्रस्तावित सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी दोनों पक्षों के बीच सहयोग को और गहरा करने में सहायक होगी। इससे रक्षा क्षेत्र में आपसी तालमेल बढ़ेगा और भारतीय कंपनियों के लिए यूरोपीय संघ के 'सेफ' (सिक्योरिटी एक्शन फार यूरोप) कार्यक्रम में भागीदारी के रास्ते खुलेंगे। विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक समझौते से देश के वस्त्र निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। यूरोपीय संघ दुनिया का सबसे बड़ा परिधान बाजार है। वर्तमान में भारत इस क्षेत्र में 4.5 अरब डालर से अधिक मूल्य के परिधानों का निर्यात करता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का कुल वस्तु व्यापार लगभग 136 अरब अमेरिकी डालर का था, जिसमें निर्यात की हिस्सेदारी करीब 76 अरब अमेरिकी डालर थी। अब बहु-प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर लगने से निश्चित रूप से द्विपक्षीय व्यापार को एक नई दिशा मिलेगी और भारत के निर्यात कारोबार पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने में भी काफी मदद मिलेगी।

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया।

सरल नहीं पर प्रभावशाली थे, आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

(नीरज कुमार दुबे)

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए।

महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग-अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती।

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित

पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी।

देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है।

अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है।

देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया।

2023 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी। यही कारण है कि वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे और समर्थकों के भरोसे का केंद्र भी बने। वह जानते थे कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन प्रभाव बनाया जा सकता है। उन्होंने वही किया। विभिन्न लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मैंने खुद देखा कि वह समर्थकों और कार्यकर्ताओं के कितने करीब रहते हैं और सबकी बातें ध्यान से सुनते हैं। यही कारण था कि बारामती में खासतौर पर अजित दादा के नाम का बोलबाला हर जगह देखने को मिलता है।

आज जब उनका जाना अचानक और असमय हुआ है, महाराष्ट्र की राजनीति एक खालीपन महसूस कर रही है। यह खालीपन सिर्फ पद का नहीं, उस अनुभव का है जो दशकों में गढ़ा जाता है। आने वाले समय में यह सवाल और तीखा होगा कि क्या कोई नेता सहकार से सत्ता तक के इस रास्ते को फिर उसी धार और दृढ़ता से तय कर पाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अजित पवार की विरासत विरोधाभासों से भरी रही, लेकिन शायद यही उनकी सच्ची पहचान भी है। वह सरल नहीं थे, पर प्रभावशाली थे।

कहीं भस्मासुर ने बन जाए एआई

(अक्षय शुक्ला)

पौराणिक कथा है कि एक असुर घोर तपस्या से भगवान शिव को प्रसन्न कर वरदान पा लेता है कि जिसके भी सिर पर हाथ रखेगा, वह भस्म हो जाएगा। फिर क्या था, भस्मासुर देवताओं के पीछे

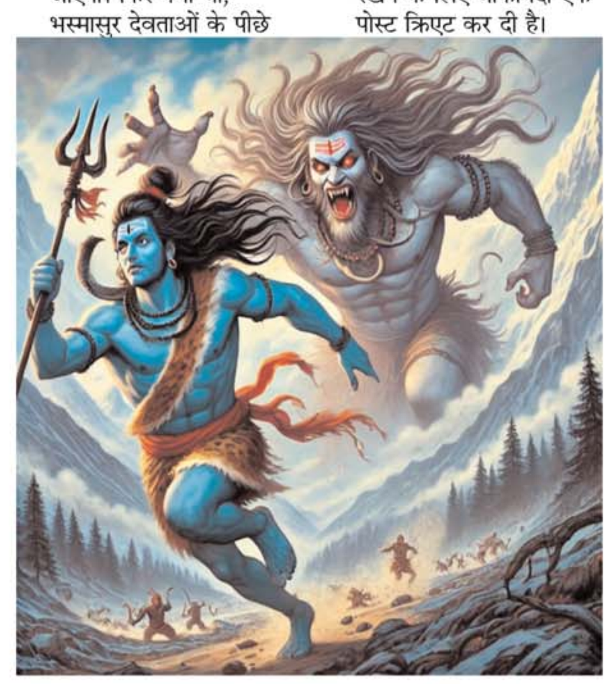

पड़ गया। हद तो तब हो गई जब अहंकार में चूर होकर वह एक दिन शिवजी के पीछे ही दौड़ पड़ा। तब भगवान विष्णु मोहिनी रूप धारण कर उसे अपने ही वरदान से भस्म करवा देते हैं।

कुछ ऐसे ही भस्मासुर आज भी हमारे बीच मौजूद हैं, जो किसी भी अच्छी चीज़ का दुरुपयोग करने पर आमादा रहते हैं। एआई यानी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को ही ले लीजिए। जिस तरह से जीवन के हर क्षेत्र में यह मददगार साबित हो रहा है, वह किसी वरदान से कम नहीं। लेकिन इसका दुरुपयोग मानव जाति पर संकट भी खड़ा कर सकता है, जिसकी चिंता खुद इसके जनक कई बार ज़ाहिर कर चुके हैं।

चैटजीपीटी बनाने वाले ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने इसके बढ़ते खतरों के प्रति एक बार फिर आगाह किया है। वे पहले भी कह चुके हैं कि एआई पर सख्त नियंत्रण बेहद ज़रूरी है, वरना गलत हाथों में पड़कर यह सर्वनाश कर सकता है। उनकी कंपनी ने बढ़ते सुरक्षा खतरों पर नज़र रखने के लिए बाकायदा एक पोस्ट क्रिएट कर दी है।

सैम की यह चिंता बेवजह नहीं है। जिस तेज़ी से हर फील्ड में एआई की उपयोगिता बढ़ी है और यह दिन पर दिन खुद को बेहतर करता जा रहा है, उससे कई तरह के सुरक्षा खतरे पैदा हो गए हैं। यह बहुत तेज़ी से कंप्यूटर सुरक्षा से जुड़ी कमज़ोरियों का पता लगाने में सक्षम होता जा रहा है। यह बैंकिंग सिस्टम के लिए घातक हो सकता है क्योंकि एआई अब हैकिंग में भी गलतियां ढूंढना शुरू कर चुका है। इसके दूसरे खतरों की बात करें तो सोशल मीडिया पर जिस तेज़ी से फर्ज़ी व आपत्तिजनक कंटेंट और विडियो की भरमार हो गई है, वह किसी की निजी ज़िंदगी को बर्बाद करने के साथ ही समाज में आसानी से वैमनस्य बढ़ा सकता है। देखने में ये इतने वास्तविक लगते हैं कि बिना परखे इन पर विश्वास करने पर अनहोनी हो सकती है।

अरावली पर्वतमाला: अवैध खनन रोकने में जनसहभागिता भी जरूरी

अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है।

सर्वोच्च न्यायालय की अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर जो चिंता देखी गई है वह अपने आपमें महत्वपूर्ण इसलिए हो जाती है कि अरावली पर्वतमाला को खोखला करने में अवैध खनन गतिविधियों की प्रमुख भूमिका रही है। यही कारण है कि 21 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बैंच ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और समस्या के मूल कारण अवैध खनन पर रोक पर जोर दिया है। 21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देष दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है। अरावली पर्वतमाला की 100 मीटर के आदेष को दिसंबर के केप्ट इन एवियांस के आदेश को यथावत रखा हैं और विशेषज्ञों की कमेटी बनाने के लिए नाम व सुझाव मांगे है। कमोबेस चार सप्ताह में दुबारा सुनवाई तक कार्ययोजना और विशेषज्ञों के नाम और सुझाव का समय दिया गया है। पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अधिक गंभीरता जताई है।

अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले

अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है। पर एक बात साफ है कि अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है।

अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है। दरअसल अरावली पर्वतमाला केवल प्राकृतिक अवस्था नहीं है बल्कि अन्य सब कारकों के साथ ही इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। अरावली श्रृंखला धूलभरी आंधियों से संरक्षित करती है तो जल संरक्षण और नदियों का स्रोत भी है। वन्य जीवों सहित जैव विविधता को अपनी कोख में संरक्षित किये हुए हैं। अब दोहरा संकट सामने हैं। एक और अरावली के संरक्षण की आवष्यकता है तो दूसरी और बेशकीमती खनिजों का खनन भी समय की मांग है। हांलाकि जैसा नवंबर के आदेश के बाद विशेषज्ञों के विष्लेषण सामने आये हैं वह कहानी कुछ और ही कहता है पर यह विवाद या बहस का विषय हो सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अवैध खनन एक प्रमुख कारण रहा है। हांलाकि दिसंबर के केप्ट इन एवियांस आदेश के साथ ही राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार ने प्रदेष में अरावली क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर, 25 से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। अभियान के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1445 प्रकरण दर्ज हुए और संबंधित पुलिस थानों में 320 एफआईआर दर्ज कराई गई। इस दौरान 140 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई। 82898 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 68 एक्सक्वेटर, जेसीबी सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए और 1223 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये गये। अभियान के दौरान जुर्माने के रुप में 9 करोड़ 86 लाख रुपए की वसूली कर राजकोष में जमा किए गए। यह भौतिक उपलब्धि रही है। खैर आंकड़ों को अलग रख भी दिया जाए तो राजस्थान सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ईमानदार प्रयास किये हैं। केन्द्र सरकार ने भी अरावली संरक्षण को लेकर कार्ययोजना घोषित की है। इस क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध तो है ही।

चिंतनीय और गंभीर सवाल यह उठता है कि नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय के अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के कुछ समय बाद जिस तरह से अरावली संरक्षण के लिए देश व्यापी आवाज उठी और जिस तरह से डीपी लगाने और प्रदर्शन आदि का दौर चला वह दिसंबर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नवंबर के आदेश को केप्ट इन एवियांस करने के साथ ही ना जाने कहां नेपथ्य में चला गया। हांलाकि अरावली पर्वतमाला को लेकर जिस तरह से आवाज उठाई गई वह जागरुकता की मिसाल मानी जा सकती है। बाद में तो कुछ छुट-पुट आवाज ही सुनाई दी।

एनएमडीसी प्रशासनिक भवन में आग लगने की स्थिति में आपदा प्रबंधन की तैयारियों का किया गया अभ्यास

किरंदुल। किरन्दुल एनएमडीसी परियोजना के प्रशासनिक भवन ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में आग लगने से भवन के दुर्घटनाग्रस्त होने की परिकल्पना पर आधारित मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन सोमवार किया गया।इस मॉक ड्रिल में सीआईएसएफ, एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन, बीडीडीएस, अग्निशमन शाखा सहित विभिन्न एजेंसियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। मॉकड्रिल का सफल आयोजन सीआईएसएफ कमांडेंट, असिस्टेंट कमांडेंट के निर्देशन में किया गया।अभ्यास के दौरान आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव एवं राहत कार्य, घायलों का प्राथमिक उपचार,क्षेत्र की घेराबंदी तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वित कार्यवाही का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और आपसी समन्वय स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जिससे आपदा की स्थिति में प्रभावी प्रबंधन की तैयारियों को मजबूती मिली।इस अवसर पर सीआईएसएफ कमांडेंट इरफ़ान अहमद, सहायक कमांडेंट गोपी कृष्ण बी, फायर इंचार्ज सुनील सोरेन, एनडीआरएफ टीम इंचार्ज ए के लाम्बा, बीडीडीएस दंतेवाड़ा इंचार्ज निर्मल सिंह, परियोजना अस्पताल सीएमओ डॉ एम वी लाल, वरिष्ठ प्रबन्धक एचआर तनवीर जावेद, एएसआई के के सीमाचलम एवम अन्य उपस्थित रहें।

22 फरवरी से सजेगा ऐतिहासिक वार्षिक देव मेला व्यापारियों के लिए दुकानें होंगी 'टैक्स फ्री'

भानुप्रतापपुर। उत्तर बस्तर के सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक भानुप्रतापपुर का ऐतिहासिक वार्षिक देव मेला इस वर्ष कई बदलावों और नई सुविधाओं के साथ आयोजित होने जा रहा है। नगर पंचायत की हालिया बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के अनुसार, यह मेला 22 फरवरी से 24 फरवरी तक पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष नगर पंचायत ने मेले को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए कुछ अभूतपूर्व फै सले लिए हैं। स्थानीय और बाहरी व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस बार दुकानों पर कोई टैक्स नहीं लिया जाएगा। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए दशकों से चली आ रही पास सिस्टम की व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। रात के समय मेले का आनंद लेने के लिए नगर में 10 हाई-मास्ट लाइट टावर लगाए जाएंगे, जिससे पूरा क्षेत्र रोशनी से सराबोर रहेगा। व्यापारियों के लिए पेयजल की व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। बिजली की समुचित व्यवस्था भी की जाएगी ।

सुरक्षा और सुशासन पर जोर - नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर ने स्पष्ट किया है कि मेले में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आगंतुकों के सम्मान की अपील की है और चेतावनी दी है कि उपद्रवियों पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। बस्तर की संस्कृति में मेला-मड़ई का विशेष महत्व है।

हमारा उद्देश्य है कि व्यापारी और ग्रामीण बिना किसी परेशानी के इस उत्सव का आनंद लें। मेले के सुचारू संचालन के लिए एक समिति गठित की गई है।

किरन्दुल नगरपालिका अध्यक्षा रूबी सिंह ने नाली निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

किरंदुल। किरंदुल नगरपालिका क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्रमांक 08 मेन मार्केट में आरसीसी नाली निर्माण हेतु सोमवार किरन्दुल नगरपालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने भूमिपूजन किया। नगरपालिका अध्यक्ष ने बताया वार्डवासियों की मांग को पूरा करते हुए 03 लाख की लागत से उक्त नाली निर्माण करवाई जाएगी।मौके पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी शशिभूषण महापात्र, नगरपालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, वार्ड पार्षद राजकुमार सोनी, अन्य पार्षदगण एवम वार्डवासी उपस्थित रहें।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना अंतर्गत मत्स्य विक्रेताओं को मिला मोटरसाइकिल सह आइस बॉक्स

कोण्डागांव। जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय बंधा तालाब गार्डन में 31 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक दो दिवसीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रदर्शन के रूप में बतख सह मछली पालन तथा उद्यानिकी सह मछली पालन का मॉडल तैयार कर विभागीय योजनाओं का स्टॉल लगाया गया। इस कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। किसान मेला संगोष्ठी के दौरान मत्स्यपालन विभाग द्वारा शासन की 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' के अंतर्गत फुटकर मत्स्य विक्रेताओं को मोटरसाइकिल सह आइस बॉक्स प्रदान किए गए। इस योजना के अंतर्गत संपत मरकाम विकासखंड बड़े राजपुर, भूपेंद्र नाग विकासखंड केशकाल और रामसाय कश्यप ग्राम कमेला, विकासखंड कोण्डागांव को लाभान्वित किया गया। मत्स्यपालन विभाग की ओर से विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में हितग्राहियों को सामग्री वितरित कर योजना की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को मत्स्यपालन से संबंधित विभिन्न विभागीय योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। यह योजना मत्स्य विक्रेताओं को सुदृढ़ आजीविका प्रदान करने एवं मत्स्य उत्पादों के सुरक्षित परिवहन एवं विक्रय में सहायक सिद्ध होगी।

चवेला एनिकट के बंधाई कार्य में लगे मजदूर भुगतान लेने पहुंचे कार्यालय

भानुप्रतापपुर। जल संसाधन विभाग में अनियमितताओं और मजदूरी भुगतान लंबित होने के कई मामले एक-एक कर सामने आ रहे है। संबलपुर के ग्रामीण सोमवार को जब जल संसाधन विभाग के कार्यालय पहुचें तब इस बात का खुलासा हुआ। उन्होंने बताया कि चवेला एनिकट में हर वर्ष बँधाई कार्य किया जाता है पर पिछले कुछ वर्षो से मजदूरी भुगतान लंबित है। मीडिया वालों को देख कर विभाग के कर्मचारी कुछ भी कहने से बचते रहे। उच्च अधिकारियों को सूचना मिलते ही फ़ोन पे के माध्यम से 3500 रुपये मजदूरों को भुगतान हेतु भेजा गया जो मेले के पहले प्रदान कर दिया जायेगा। इसके पहले भी जनकपुर, मिर्चीपारा और डोंगरगाँव में मनरेगा के तहत लाइनिंग और वाटर कोर्स लाइनिंग कार्यो में भुगतान लंबित होने की शिकायते आई थी जिनको विभाग ने नगद भुगतान कर दिया है। विभाग के अधिकारियों द्वारा नियमों को ताक पर रख सभी को नगद भुगतान कराया गया है यहाँ तक की मटेरियल देने वाले दुकानदारों को भी नगद भुगतान कराया गया है। इस मामले पर कई बार खबरे प्रकाशित होने के बाद भी विभाग के द्वारा दोषी और भ्रष्ट अधिकारियों पर कोई कार्यवाही नही की गई है। संबलपुर के रूपेश निषाद, देवल व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि हमारे द्वारा हर साल डेम के गेट चढ़ाना उतारना व बँधाई कार्य किया जाता है। मगर इस कार्य का मजदूरी भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। मजदूरी भुगतान के सम्बंध में आज कार्यालय पहुंचे तो एसडीओ साहब नहीं मिले। कर्मचारियों ने कहा की साहब से बात कर रहे है तो हम यही बैठे रहे। कुछ देर में रूपेश निषाद को फोन पे के माध्यम से विभाग के इंजीनियर यादव के द्वारा 3500 रुपये भेजा गया जिसके बाद सभी ग्रामीण वापस लौट गए। इसी तरह डोंगरगाँव के ग्रामीणों को 70 हज़ार रुपये, जनकपुर के ग्रामीणों 34 हज़ार रुपये, मिर्चीपारा के ग्रामीणों को 16 हज़ार रुपये व ट्रैक्टर मालिक तथा मटेरियल देने वालों को एसडीओ व इंजीनियर के द्वारा नगद भुगतान कराया गया है। राशि का भुगतान किस मद से किया जा रहा है यह भी जांच का विषय है। वही जब मनरेगा के कार्यों में खाते में भुगतान का प्रावधान है तो मजदूरों को नगद भुगतान क्यों कराया जा रहा है। विभाग के द्वारा इस मामले पर अब तक कार्यवाही क्यों नहीं की गई कहीं विभाग द्वारा दोषियों को बचाने का कार्य तो नहीं किया जा रहा है।

मनरेगा के कार्यों में मशीनों का उपयोग पर जाँच नहीं - जनकपुर के ग्रामीणों द्वारा जब मजदूरी भुगतान लंबित होने की शिकायत एसडीएम कार्यालय व एसडीओ जल संसाधन विभाग को की गई। तब आवेदन में साफ़ लिखा था कि जेसीबी से पुलिया हेतु गड्ढा खोदा गया है, नाली बनाई गई है और केनाल में मुरुम डाला गया है। ट्रैक्टर व डोजर के माध्यम से खेत के मेड़ को हटाया गया है। इस आवेदन के मीडिया में आते ही आनन फ़ानन में विभाग के द्वारा सभी का नगद भुगतान कर दिया गया और अपने बचाव के लिए मजदूरों से यह भी लिखवाया कि मशीनों का प्रयोग नहीं किया गया है। भोले-भाले ग्रामीणों ने भुगतान पाकर साहब की बात मानते हुए पंचनामे पर अपने हस्ताक्षर कर दिए।

विभाग में अधिकारी या ठेकेदार, भ्रष्टाचार चरम पर - जल संसाधन विभाग के एसडीओ और सब इंजीनियर विभाग के कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे है या ठेकेदारी यह बात समझ से परे है। निर्माण और मरम्मत कार्य कौन ठेकेदार करता है इसकी जानकारी मजदूर व ग्रामीणों को नहीं है। हर जगह साहब खुद ही जाकर मजदूरी करने और मटेरियल देने की बात कर रहे है इसके एवज़ में नगद भुगतान भी कर रहे है। मिर्ची पारा के दिलीप कोरेटी एवं चिंताराम ने बताया कि अधिकारियों ने नगद भुगतान का आश्वासन देकर नहर में मरम्मत कार्य कराया था, जिसका 16 हज़ार भुगतान किया गया। इस मामले में जल संसाधन विभाग के इंजीनियर लाटिया एवं यादव का नाम सामने आया। इसी तरह ग्राम पंचायत घोठा के पूर्व सरपंच राम प्रसाद कावड़े ने बताया था कि जल संसाधन विभाग के एसडीओ कोडोपी साहब ने 25 हज़ार एडवांस दिया और 70 ट्रिप रेत जनकपुर के नहर लाइनिग कार्य में गिरवाया गया शेष राशि 45000 रुपये नगद शिकायत होने के बाद दिया गया।

ग्राम पंचायत जोबा में असम के प्रतिनिधिमंडल ने किया मेसन प्रशिक्षण एवं प्रधानमंत्री आवास कार्यों का निरीक्षण

कोण्डागांव। विकासखंड कोंडागांव अंतर्गत ग्राम पंचायत जोबा में रविवार को असम राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल दौरे पर पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने ग्राम पंचायत में प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 के अंतर्गत त्ैम्ज्प् जगदलपुर अंतर्गत संचालित मेसन (राज मिस्त्री) प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया एवं प्रशिक्षण प्रक्रिया एवं हितग्राहियों से चर्चा कर विभिन्न जानकारी लिए तथा निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों का स्थल निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्यों की प्रगति एवं तकनीकी पहलुओं का जमीनी स्तर पर हो रहे क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की सराहना करते हुए इसे अपने राज्य के लिए भी अनुकरणीय मॉडल बताया। असम से आए प्रतिनिधिमंडल में ध्रुव ज्योति नाथ (ज्वाइंट कमिश्नर), रंजीत दास (एसपीई) एवं निलोत्पल मिश्रा (एसपीई) शामिल रहे। वहीं राज्य से राजेंद्र पाण्डेय (उपायुक्त - प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण) तथा सोमकांत साहू (सहायक अभियंता-मनरेगा) भी उपस्थित रहे।प्रतिनिधिमण्डल द्वारा जिला प्रशासन की पहल से प्रारंभ किया गया मोर सुआद कैन्टीन में विधायक नीलकंठ टेकाम एवं कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई से मुलाकात किया गया।

मोदी सरकार का बजट केवल कागजों का पुलिंदा आम जनता को मिली घोर निराशा : मनदीप कौर ढींढसा

भानुप्रतापपुर। केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नगर पंचायत भानुप्रतापपुर की वार्ड क्रमांक 10 की पार्षद मनदीप कौर ढींढसा और कांकेर लोकसभा आईटी सेल के अध्यक्ष नमन झाबक जैन ने इसे जनता के साथ छलावा बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट थकी हुई और दिशाहीन सरकार का दस्तावेज है, जिसमें महंगाई और बेरोजगारी जैसे ज्वलंत मुद्दों पर चुप्पी साध ली गई है। महंगाई और वादों की विफलता पर घेरा - पार्षद मनदीप कौर ढींढसा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बजट में महंगाई कम करने का कोई रोडमैप नहीं है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में भाजपा के वादों की याद दिलाते हुए कहा, ÷मोदी जी ने चुनाव के समय 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की गारंटी दी थी, लेकिन आज दो साल बाद भी सिलेंडर की कीमत 1000 रुपये के पार है। डबल इंजन की सरकार जनता पर केवल बोझ डाल रही है। उन्होंने आगे कहा कि वित्त मंत्री ने अपने भाषण में न तो स्कूलों का जिक्र किया और न ही सामाजिक सुरक्षा पर कोई नई घोषणा की। मनरेगा जैसे महत्वपूर्ण कानूनों के बजट को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। ढींढसा ने आरोप लगाया कि सरकार न केवल पैसा देने में कतरा रही है, बल्कि आवंटित बजट को भी खर्च करने में अक्षम साबित हो रही है। युवाओं और अर्थव्यवस्था के लिए संकट का संकेत - वहीं आईटी सेल अध्यक्ष नमन झाबक जैन ने बजट को आर्थिक चुनौतियों से भागने वाला बताया। उन्होंने कहा की शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार सृजन की कोई ठोस योजना नहीं है। गिरते रुपए और बढ़ते कर्ज के बोझ पर सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में शिक्षा का बजट घटा दिया गया है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे की पोल खोलता है। जैन ने चिंता जताई कि देश में आर्थिक असमानता अब ब्रिटिश राज के दौर को भी पार कर गई है, लेकिन बजट में इसे कम करने का कोई विचार नहीं दिखता।मनदीप कौर ने बजट के बाद शेयर मार्केट में आई गिरावट को सरकार की विफलता का पैमाना बताया।

अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, रावन सीमेंट वर्क्स की सीएसआर एवं छत्तीसगढ़ कृषि विभाग के सयुक्त प्रयास से किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सीएसआर प्रशिक्षण केंद्र, रावन में किया गया। यह कार्यक्रम संयंत्र प्रमुख राजेश कुमार एवं मानव संसाधन प्रमुख करण मिस्त्री के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विकास अधिकारी जी. एन. तारम एवं सुचिन कुमार वर्मा के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा किसानों को कम पानी या जल अभाव की स्थिति में फसलों को कैसे सुरक्षित रखा जाए, इस विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को प्रधानमंत्री आशा योजना, बीज उत्पादन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत स्प्रिंकलर सेट के उपयोग तथा शाकम्बरी योजना के संबंध में जागरूक किया गया। इस किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में 80 से अधिक किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रभावशाली रहा। कार्यक्रम में अल्ट्राटेक सीएसआर विभाग से प्रमुख विनोद श्रीवास्तव।

केंद्रीय बजट 2026 का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने सुना लाइव प्रसारण

देश के समग्र विकास की दिशा में दूरदर्शी और संतुलित बजट : अविनाश

टोली प्रमुख अविनाश देवांगन ने कहा,'केंद्रीय बजट 2026 देश के समग्र विकास की दिशा में दूरदर्शी और संतुलित बजट है। इसमें गरीब, किसान, महिला, युवा और व्यापार सभी वर्गों के हितों को प्राथमिकता दी गई है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को और मजबूती देता है तथा छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के विकास को नई गति प्रदान करेगा। समापन पर सभी उपस्थितजनों ने बजट की सकारात्मक विशेषताओं का स्वागत करते हुए इसे विकासोन्मुख और जनहितकारी बताया।

नारायणपुर। केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय बजट 2026 आज संसद पटल पर प्रस्तुत किया गया। संगठन से प्राप्त निर्देशानुसार, बजट का सीधा प्रसारण (स्ढ्ढ1द्व) जिले में प्रातः 10:30 बजे सामूहिक रूप से देखा गया कार्यक्रम में भाजपा के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, संगठन के पदाधिकारी, मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा पूर्व में नामित जिम्मेदार कार्यकर्ता अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मुख्य अतिथि बृजमोहन देवांगन, छत्तीसगढ़ राज्य लघुवन उपज संघ के अध्यक्ष रूप साय सलाम, भाजपा जिला अध्यक्ष नारायण मरकाम, भाजपा जिला अध्यक्षा संध्या पवार सहित भाजपा के विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने बजट के विभिन्न प्रावधानों, विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी घोषणाओं पर गहन चर्चा की।

महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष जागरूकता अभियान संपन्न

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना के निर्देशन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी रेनू प्रकाश, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गायत्री साय की उपस्थिति में 30 जनवरी 2026 को महिला बाल विकास विभाग के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के न्याय सदन भवन में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न एवं विभाग की विभिन्न योजनाओं पर एक दिवसीय उन्मुखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देना रहा। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत राष्ट्रीय बालिका दिवस के 16 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का समापन एवं शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान किया गया। कार्यशाला में महिला संरक्षण अधिकारी सावित्री कोर्राम, केंद्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर कोण्डागांव से स्वीटी दास व जिला मिशन समन्वयक रीना सिंह ठाकुर के द्वारा जानकारी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं द्वारा कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की परिभाषा, इसके विभिन्न स्वरूप, आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कानूनी सहायता के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही शी-बॉक्स पोर्टल की जानकारी दी गई, जिसमें भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक ऑनलाइन मंच है, जो कामकाजी महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज करने और उनकी स्थिति पर नजर रखने की सुविधा देता है। साथ ही महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने एवं किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध निर्भीक होकर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न योजनाएं एवं सेवाएं (जैसे वन स्टॉप सेंटर, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), शक्ति सदन तथा सखी निवास आदि) के प्रति जागरूकता, महिला उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक शिकायत पोर्टल (ैाम ठवङ्ग) के बारे में जागरूकता बढ़ाना, आपातकालीन सेवाओं (जैसे महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्डलाइन 1098) के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु 16 दिवस का अभियान चलाया गया। उक्त कार्यशाला व जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न विभाग के महिला कर्मचारी एवं अधिकारी मित्र उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के कैलेण्डर का किया विमोचन

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में किया। इस दौरान छत्तीसगढ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ बी. पी सोनी, महासचिव किशोर शर्मा, सुनील कौशिक, अश्वनी पोण्डेय, निरकार तिवारी, आलोक पराजपे चन्द्रपकाश साहू, रमेश द्विवेदी, अशोक ब्रम्हभटट, शेफाली पाण्डेय, श्वेता गन्धर्व, पूजा आहिरे, नेहा रजक, नेहा आगिरे, डॉ. टी. डी. सरजाल, डॉ. वीरेन्द्र पिल्ले, डॉ. ए.एस. रघुवंशी, डॉ. एल पी मनहर, डॉ राम ओत्तलवार, डॉ हेमंत नेताम एवं श्री उमेश कश्यप उपस्थित रहे। अंत में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन महासचिव किशोर शर्मा के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका भर्ती, दावा आपत्ति 12 तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना तखतपुर अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र मोछ-3 में कार्यकर्ता एवं समडील-1 में सहायिका के रिक्त पदों पर प्राप्त आवेदनों के जांच उपरांत दावा आपत्ति 12 फरवरी 2026 तक मंगाये गये है। इच्छुक आवेदिका एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय तखतपुर में कार्यालयीन समय में 12 फरवरी तक दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकती है नेशनल ताइक्कांडो प्रतियोगिता में 9 खिलाड़ियों ने लहराया परचम

कलेक्टर-एसएसपी ने नेपाल में होने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए दी शुभकामनाएं

बिलासपुर। राजस्थान के जयपुर में आयोजित दो दिवसीय नेशनल ताइक्कांडो प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों ने जिले के साथ-साथ प्रदेश का भी नाम रौशन किया है। 30 जनवरी एवं 1 फरवरी की हुए इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से खेलो ताइक्कांडो यूथ स्पोर्ट्स फेडरेशन के 11 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 खिलाड़ियों का नेपाल में होने वाले अंतरराष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिमा के लिए चयन हुआ है। खिलाड़ियों ने कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह से मुलाकात की। कलेक्टर एवं एसएसपी ने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि उन्होंने जिले सहित पूरे प्रदेश का नाम रौशन किया है। कलेक्टर एवं एसएसपी ने नेपाल में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कोच रिमझिम गुप्ता, मैनेजर चंद्र प्रकाश एवं अंतरराष्ट्रीय मास्टर गणेश सागर ने खिलाड़ियों का नेतृत्व किया। विजेता खिलाड़ी अमन गेंडारे, ऋषभ पटेल, कान्हा गुप्ता, संजनी, नीलिमा, विमल साहू, आर्यन सागर अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगे। जयपुर राजस्थान से वापसी के दौरान रेलवे स्टेशन पर सभी चयनित खिलाड़ी, कोच एवं मैनेजर का फूल-मालाओं, के साथ भव्य स्वागत किया गया।

कपड़ा दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

अंबिकापुर। बतौली थाना क्षेत्र अंबिकापुर अंतर्गत शांतिपारा स्थित अमित क्लॉथ में देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में दुकान में रखा लाखों रुपये का कपड़ा जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर दमकल टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। देर रात अचानक दुकान से धुआं उठने लगा, जिसके बाद आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस और दमकल विभाग को दी। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि जांच के बाद ही वास्तविक कारण सामने आएगा। अमित क्लॉथ दुकान में बड़ी मात्रा में कपड़े के बंडल और तैयार वस्त्र रखे हुए थे। आग इतनी भीषण थी कि दुकान की अधिकांश सामग्री पूरी तरह जल गई। नुकसान का अनुमान लाखों में लगाया जा रहा है, जिससे व्यापारी को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग काफी फैल चुकी थी, फिर भी अधिकारियों ने लगातार प्रयास कर आग को नियंत्रित किया और आसपास की अन्य दुकानों में फैलने से रोका। देर रात तक राहत एवं नियंत्रण कार्य चलता रहा।

एकल आचार्यों की एक दिवसीय बैठक संपन्न

कोरबा। वनांचल शिक्षा सेवा न्यास, छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित योजना के अंतर्गत कोरबा जिले के विभिन्न वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत सरस्वती शिक्षा केंद्रों (एकल आचार्य) में सेवारत आचार्यों की एक दिवसीय समीक्षा एवं मार्गदर्शन बैठक वाल्मीकि आश्रम, कोरबा में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। इस बैठक का उद्देश्य शिक्षा केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करना, आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श करना तथा आचार्यों को संगठनात्मक दिशा-निर्देश प्रदान करना रहा।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की योजनाओं की समीक्षा

लक्ष्य हासिल करने अधिकाधिक दौरा करें अधिकारी

एटीएम की तर्ज पर कार्ड से मिलेगा पीडीएस राशन

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक टीएल बैठक में आज राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं में लक्ष्य प्राप्ति के लिए अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों का अधिकाधिक दौरा करने को कहा है। भ्रमण में देखें कि लक्ष्य प्राप्ति में क्या बाधा आ रही है। बाधाओं को विशेष कार्य-योजना बनाकर दूर करते हुए हर हाल में वित्तीय वर्ष के पूर्व लक्ष्य प्राप्त करें। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत ग्रामीण और शहरी इलाकों में काम होते रहते हैं। उन्हें एनआईसी की निर्माण साफ्टवेयर में अवश्य दर्ज किया जाये ताकि कोई भी व्यक्ति इसे देखकर पता लगा सके। श्री अग्रवाल ने कहा कि वन पट्टाधारी लगभग साढ़े 4 सौ किसानों के फौत की सूचना है। उनके निकट वारिस के नाम पर पट्टे का नामांतरण किया जाये। उन्होंने वन विभाग को इस पर कार्यवाही कर रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। स्कूलों में निर्माणाधीन गर्ल्स टॉयलेटों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च के पहले पूर्ण करने को कहा है। जिले में फिलहाल 508 गर्ल्स शौचालयों का कार्य निर्माणाधीन है। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर बिजली योजना की वर्तमान प्रगति को नाकाफी बताया। फिलहाल केवल 2100 प्लाण्ट जिले में स्थापित हुए हैं। जबकि 6 हजार के लगभग आवेदन लंबित हैं। उन्होंने कहा कि गरमी का मौसम शुरू होने वाला है। हर गांव एवं घरों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की कार्य-योजना पर काम किया जाए। गत वर्ष किन गांवों में दिक्कत आई थी, उन्हें दूर किया जाये। सभी हेण्डपम्पों को एक बार सुधार कर लिया जाये। जलस्त्रोतों की एक बार साफ-सफाई कर लिया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार हर कार्यालय में आधार बेस्ड उपस्थिति अनिवार्य है। जो कार्यालय नहीं इस व्यवस्था से नहीं जुड़े हैं, वे अगले एक सप्ताह में जुड़ जाएं अन्यथा कार्रवाई की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि फिलहाल 30 प्रतिशत स्कूलों में ई हाजिरी हो रही है। श्री अग्रवाल ने कहा कि विधानसभा के बजट सत्र की 23 फरवरी से शुरूआत हो रही है। सभी विभाग समय पर जवाब प्रस्तुत करने के लिए विभागीय नोडल अधिकारी नियुक्त करें। बैठक में नान के जिला अधिकारी ने बताया कि ग्रेन एटीएम योजना के तहत बिलासपुर जिले को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयन किया गया है। योजना के तहत हितग्राही बैंक एटीएम कार्ड की तर्ज पर कार्ड का उपयोग कर अपने हिस्से का राशन प्राप्त कर सकेगा। कलेक्टर ने निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप किसी एक राशन दुकान को चिन्हांकित करने के निर्देश खाद्य अधिकारी को दिए। फाईलेरिया मुक्त अभियान की भी कलेक्टर ने बैठक में समीक्षा की। यह अभियान इस माह 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलेगा। सभी उम्र के लोगों को इस दवा का सेवन करना है। अभियान की सफलता के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी।

नेशनल ताइक्कांडो प्रतियोगिता में 9 खिलाड़ियों ने लहराया परचम

- कलेक्टर-एसएसपी ने नेपाल में होने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए दी शुभकामनाएं

बिलासपुर। राजस्थान के जयपुर में आयोजित दो दिवसीय नेशनल ताइक्कांडो प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों ने जिले के साथ-साथ प्रदेश का भी नाम रौशन किया है। 30 जनवरी एवं 1 फरवरी की हुए इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से खेलो ताइक्कांडो यूथ स्पोर्ट्स फेडरेशन के 11 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 खिलाड़ियों का नेपाल में होने वाले अंतरराष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिमा के लिए चयन हुआ है। खिलाड़ियों ने कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह से मुलाकात की। कलेक्टर एवं एसएसपी ने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि उन्होंने जिले सहित पूरे प्रदेश का नाम रौशन किया है। कलेक्टर एवं एसएसपी ने नेपाल में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कोच रिमझिम गुप्ता, मैनेजर चंद्र प्रकाश एवं अंतरराष्ट्रीय मास्टर गणेश सागर ने खिलाड़ियों का नेतृत्व किया। विजेता खिलाड़ी अमन गेंडारे, ऋषभ पटेल, कान्हा गुप्ता, संजनी, नीलिमा, विमल साहू, आर्यन सागर अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगे। जयपुर राजस्थान से वापसी के दौरान रेलवे स्टेशन पर सभी चयनित खिलाड़ी, कोच एवं मैनेजर का फूल-मालाओं, के साथ भव्य स्वागत किया गया।

10 से 25 फरवरी तक चलेगा फाइलेरिया उन्मुलन अभियान

- फाइलेरिया उन्मुलन के लिए हर व्यक्ति का दवा सेवन जरूरी
- अभियान की सफलता के लिए कलेक्टर ने सौंपी जिम्मेदारी

बिलासपुर। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में यह अभियान 10 फरवरी से 25 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियान के दौरान हर आदमी का दवा सेवन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया (हाथी पांव) जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए शत-प्रतिशत दवा सेवन बेहद जरूरी है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न अधिकारियों को क्षेत्रवार जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, नगरीय निकाय, पंचायत, शिक्षा विभाग सहित मैदानी अमले को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिनों को घर-घर जाकर दवा खिलाने और लोगों को जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गई है। कलेक्टर ने कहा कि दवा पूरी तरह सुरक्षित है और इसके सेवन से फाइलेरिया से स्थायी बचाव संभव है। दवा सेवन के बाद किसी प्रकार की असहजता होने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए।

सम्मान से सशक्तिकरण तक:महतारी वंदन योजना ने रचा बदलाव का नया अध्याय...

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए प्रारंभ की गई महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का नया अध्याय जोड़ा है। शासन की स्पष्ट मंशा और संवेदनशील दृष्टिकोण के अनुरूप प्रतिमाह सीधे बैंक खातों में प्रदान की जाने वाली आर्थिक सहायता ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का संबल दिया है, जो केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित न रहकर महिलाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा और स्वावलंबन की भावना को सुदृढ़ कर रही है। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव आज जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है, जहाँ महिलाएं सशक्त बनकर परिवार और समाज में अपनी भूमिका को मजबूती से निभा रही हैं। कोरबा जिले के रामपुर क्षेत्र में निवासरत श्रीमती बहुरा कौशिक एवं उनकी बहू श्रीमती सविता कौशिक, जो गृहिणी हैं, इस योजना के लाभार्थी हैं। दोनों को अब तक योजना के अंतर्गत 24 किश्तों में कुल 24 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है। इस आर्थिक सहयोग से उनके परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत मिली है। श्रीमती सविता कौशिक ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें प्रत्येक माह समय पर राशि प्राप्त हो जाती है, जिसका उपयोग वे घरेलू खर्च एवं बच्चों की पढ़ाई में करती हैं। उन्होंने कहा कि अब किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती, आवश्यकता के समय सीधे खाते में आई राशि से काम हो जाता है। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास और आर्थिक मजबूती बढ़ी है। वहीं श्रीमती बहुरा कौशिक ने भी योजना के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा दी जा रही यह सहायता उनके लिए बड़ी राहत है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं महिलाओं के जीवन को सशक्त बना रही हैं।महतारी वंदन योजना वास्तव में महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रही है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ऐतिहासिक धान खरीदी या ऐतिहासिक छल 3 लाख किसान आज भी इंतज़ार में,अंकित गौरहा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी को ऐतिहासिक बताए जाने के दावों के बीच ज़मीनी स्तर पर किसान आज भी परेशान हैं। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नगोई के किसान भानु प्रकाश शर्मा का मामला धान खरीदी व्यवस्था में गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और असंवेदनशीलता को उजागर करता है। किसान भानु प्रकाश शर्मा ने बताया कि उन्होंने शासन के नियमों के तहत धान उपार्जन केंद्र नगाई में अपनी उपज का पंजीयन कराया था। कुल 12 एकड़ 36 डिसमिल भूमि के आधार पर 255.20 क्विंटल धान विक्रय हेतु पंजीकृत किया गया था। इसके बावजूद भौतिक सत्यापन में नोडल अधिकारी द्वारा भारी त्रुटि करते हुए धान की मात्रा को मात्र 46.80 क्विंटल दर्शा दिया गया।इस गलती को सुधारने के लिए किसान द्वारा समय रहते संबंधित अधिकारियों को आवेदन दिया गया। नोडल अधिकारी ने स्वयं त्रुटि स्वीकार करते हुए जिला विपणन अधिकारी को सुधार हेतु पत्र भी प्रेषित किया, जिसकी पावती भी किसान को दी गई। इसके बावजूद 30 जनवरी 2026 को धान खरीदी की अंतिम तिथि समाप्त हो जाने के बाद भी न तो त्रुटि सुधारी गई और न ही किसान को टोकन प्रदान किया गया। धान विक्रय न हो पाने के कारण किसान पर सहकारी समिति एवं बैंक का 2,20,742 का कर्ज बना हुआ है, जिससे उन्हें मानसिक, आर्थिक और सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा—सरकार कहती है—धान खरीदी ऐतिहासिक है, लेकिन आंकड़े कहते हैं कि प्रदेश में करीब 3 लाख किसानों का धान अब तक नहीं बिक पाया है। क्या यही है किसान-हितैषी सरकार? क्या समर्थन मूल्य सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है? उन्होंने आगे बताया कि बेलतरा सहित कई क्षेत्रों में किसान आज भी निर्णय, तारीख और भुगतान के इंतज़ार में खड़ा है। गलत भौतिक सत्यापन, समय पर सुधार न होना और खरीदी तिथि समाप्त हो जाना किसानों को कर्ज़ और संकट की ओर धकेल रहा है।इसी गंभीर स्थिति को लेकर बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के किसानों के साथ कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें धान खरीदी की तिथि आगे बढ़ाने तथा बचे हुए सभी किसानों का धान तत्काल खरीदने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई तथा कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी है ।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे और सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने लोगों की समस्याओं को सुना। लगभग 150 लोगों ने कलेक्टर से मिलकर व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जनदर्शन में आज बेलतरा तहसील के ग्राम टेकर की श्रीमती चंद्रिका बाई साहू ने विधवा पेंशन की राशि दिलाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि पहले विधवा पेंशन राशि का लाभ हो रहा था किन्तु विगत दो वर्षों से पेंशन की राशि प्राप्त नहीं हो रही है। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक को मामले की जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम सिंघरी की मालती बाई ने आवास योजना के अंतर्गत तीसरी किश्त की राशि नहीं मिलने की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि उन्हें पीएम आवास योजना के तहत दो किश्त की राशि प्राप्त हो चुकी है। तीसरी किश्त की राशि के लिए आवास मित्र द्वारा आवश्यक कार्यवाही नहीं की जा रही है। कलेक्टर ने प्रकरण को जिला पंचायत सीईओ को सौंपते हुए जांच के निर्देश दिए है। तेंदुआ के ग्रामीणों श्री मनहरण कैवर्त, श्री श्यामलाल सहित अन्य लोगों ने कलेक्टर से मुलाकात कर आवेदन दिया कि ग्राम तेंदुआ बासाझाल मार्ग तालाब के रास्ते में श्री सुखराम यादव द्वारा अवैध रूप से घर बनाया जा रहा है जिससे ग्रामीणों को तालाब आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने एसडीएम कोटा को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश है। ओमप्रकाश सोनी ने कलेक्टर से मुलाकात कर पुल निर्माण के लिए अधिग्रहित किये गये पैतृक भूमि का मुआवजा दिलाने की मांग की है। कलेक्टर ने मामले को पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी को सौंपा है। मदनपुर की रहने वाली बसंती बाई देवार ने घर में आगजनी के कारण हुए आर्थिक क्षति के लिए सहायता राशि के लिए गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि वे सामाजिक कार्य से घर से बाहर गए हुए थे। उनकी अनुपस्थिति में घर में हुए आगजनी की घटना से घर में रखा पूरा सामान जल गया। वे आर्थिक रूप से अत्यंत गरीब है। कलेक्टर ने एसडीओ बिलासपुर को मामले को सौंपा है। राजकिशोर निवासी दिव्यांग रवि निषाद ने समाजिक सुरक्षा दिव्यांग पेंशन का लाभ दिलाने की मांग की है। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा। सेलर के राजेश धुरी ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का लाभ दिलाने कलेक्टर से मुलाकात की। कलेक्टर ने श्रम विभाग के अधिकारी को उनके आवेदन की जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए। शहर की श्रीमती शांति परदेशी ने तहसीलदार द्वारा पारित नामांतरण आदेश के उपरांत भी पटवारी द्वारा बी-1 प्रविष्टि न किए जाने की शिकायत की है। कलेक्टर ने प्रकरण को एसडीओ बिलासपुर को सौंपते हुए कार्रवाई करने कहा है।

आध्यात्मिक रूप से खास माना जाता है फाल्गुन मास

फाल्गुन मास कब शुरू होगा और क्यों इसे आध्यात्मिक रूप से खास माना जाता है। हिंदू पंचांग में हर महीने का अपना अलग महत्व होता है, लेकिन फाल्गुन मास को विशेष रूप से पर्वों, भक्ति और दान-पुण्य का महीना माना जाता है। यह साल का अंतिम यानी 12वां महीना होता है। लोग इसे फागुन का महीना भी कहते हैं। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में फाल्गुन मास की शुरुआत 2 फरवरी से होगी और यह 3 मार्च 2026 तक चलेगा।

कब से शुरू होता है फाल्गुन मास?

हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास माघ पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह साल का अंतिम यानी 12वां महीना होता है। लोग इसे फागुन का महीना भी कहते हैं। यह महीना प्रकृति में बदलाव का संकेत भी देता है। सर्दी कम होने लगती है और वसंत ऋतु का आगमन होता है। धार्मिक दृष्टि से यह समय आत्मिक शुद्धि, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

फाल्गुन मास में किसकी पूजा करें?

फाल्गुन मास में श्रीकृष्ण भक्ति का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस माह में उनकी पूजा से वैवाहिक जीवन में मधुरता आती है, संतान सुख की प्राप्ति होती है, ज्ञान और विवेक में वृद्धि होती है। भगवान शिव की आराधना का पर्व महाशिवरात्रि इसी मास में आती है। इस दिन शिव पूजा करने से मानसिक शांति मिलती है, नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, जीवन में स्थिरता आती है।

चंद्रदेव की पूजा

चंद्रमा की उत्पत्ति फाल्गुन मास में हुई थी। इसलिए इस महीने चंद्रदेव की पूजा से मन की चंचलता कम होती है, मानसिक संतुलन बना रहता है।

फाल्गुन मास में दान-पुण्य का महत्व

शास्त्रों में फाल्गुन मास को दान के लिए उत्तम समय बताया गया है। इस महीने किया गया दान विशेष फल देता है।

दान में क्या देना शुभ माना जाता है?

अन्न और भोजन, वस्त्र, धन, जरूरतमंदों की सहायता करना शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस महीने दान करने से सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

फाल्गुन मास क्यों माना जाता है खास?

यह साल का अंतिम महीना है। बड़े धार्मिक पर्व इसी महीने आते हैं। पूजा, व्रत और दान तीनों का महत्व है। मन, शरीर और समाज—तीनों स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

अपने लुक को खास बनाएं इन लेटेस्ट रेड सूट डिजाइन

रेड कलर हमेशा से महिलाओं के फैशन में सबसे खास और पसंदीदा रंगों में से एक है। लाल कलर की सूट या ड्रेस पहनने के बाद आपने लुक की खूबसूरती और भी निखर जाती हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी खास मौके पर पहनने के लिए रेड सूट डिजाइन खोज रही हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए बेस्ट है। रेड सूट हर स्पेशल मौके के लिए परफेक्ट आउटफिट हो सकता है। चाहे शादी हो, त्योहार हो या कोई खास पार्टी ये आपको मॉडर्न के साथ ट्रेडिशनल लुक भी देता है। आइए देखें इस आर्टिकल में रेड सूट डिजाइन के कुक शानदार आइडियाज जिसे आप हर अवसर पर पहन सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं।

अनारकली रेड सूट डिजाइन

अनारकली रेड सूट डिजाइन शादी, पार्टी और फेस्टिवल के लिए सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इसका फ्लेयर वाला लंबा कट इसे बेहद आकर्षक बनाता है।

रेड सूट सेट डिजाइन

रेड सूट सेट डिजाइन बहुत सुंदर आउटफिट है इसमें कुर्ती, पेंट/लेगिंग और दुपट्टा होता है जो लुक को कम्प्लीट करने के लिए बहुत शानदार है। आप इसे किसी भी खास अवसर पर पहनकर अपने आप को अलग लुक दे सकती हैं।

रेड शॉर्ट कुर्ती डिजाइन

अगर आप डेली वियर के लिए कुछ स्टाइलिश और कम्फर्टेबल सूट चाहती हैं, तो रेड शॉर्ट कुर्ती डिजाइन सबसे अच्छा ऑप्शन है। कॉलेज गर्ल से लेकर ऑफिस वियर तक ये रेड शॉर्ट कुर्ती सबसे बेस्ट है।

हैवी वर्क रेड सूट डिजाइन

हैवी वर्क रेड सूट डिजाइन खास मौकों के लिए सबसे बेस्ट है। इसमें स्टोन वर्क, जरी वर्क और भारी कढ़ाई होता है जो हर महिलाओं को शानदार लुक देता है।

हाथों में लगाएं सबसे खूबसूरत फ्लावर मेहंदी डिजाइन

आजकल फ्लावर मेहंदी डिजाइन सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है क्योंकि ये डिजाइन देखने में बेहद आकर्षक, सरल और ट्रेंडिंग होती है। फूलों वाली मेहंदी डिजाइन हर महिलाओं को खूब पसंद आती है। ये हाथों के साथ पैरों पर भी लगाई जाती हैं। अगर आप भी किसी शादी या त्योहार पर हाथों में मेहंदी लगाना चाहती हैं तो इस आर्टिकल में हम आपको तरह-तरह के फूलों वाली मेहंदी डिजाइन आइडियाज के बारे में बताएंगे। ये डिजाइन हाथों पर लगाने के बाद देखने में बहुत सुंदर और एलिगेंट लगती है। आइए देखें फ्लावर मेहंदी डिजाइन के कुछ बेस्ट आइडियाज।

रोज मेहंदी डिजाइन

रोज मेहंदी डिजाइन सबसे पसंद की जाने वाली डिजाइनों में से एक है। हाथों पर लगाने के बाद ये बहुत रॉयल और क्लासी दिखाई देती है। इसे आप अपने हाथों पर लगाकर लुक को और भी आकर्षक बना सकती हैं।

लोटस मेहंदी डिजाइन

लोटस मेहंदी डिजाइन शादी और त्योहार जैसे अवसरों पर बहुत अच्छी लगती हैं। हाथों के बीज में लोटस का डिजाइन उसके चारों और बेलें और पत्तियां जोड़ने से ये मेहंदी बहुत शानदार नजर आती है।

सिंपल फ्लावर मेहंदी डिजाइन

जो महिलाएं हल्की और जल्दी बनने वाली मेहंदी पसंद करती हैं उनके लिए सिंपल फ्लावर मेहंदी डिजाइन सबसे सही है। ये डिजाइन कम समय में तैयार हो जाती है और रोजाना के छोटे फंक्शन के लिए भी परफेक्ट रहती है।

सूरजमुखी मेहंदी डिजाइन

सूरजमुखी मेहंदी डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में है। इसका बड़ा गोल आकार मेहंदी में बहुत यूनिक और आकर्षक लुक देता है। ये डिजाइन आप आसानी से अपने हाथों में लगा सकती हैं। इस मेहंदी में बड़े सूरजमुखी के फूलों का डिजाइन होता है जो हर आउट्फिट के साथ आपको सबसे अलग दिखाता है।

फरवरी में लगाएं ये 5 फलदार पौधे

फरवरी का महीना बागवानी के लिए सही समय माना जाता है. इस समय मौसम न तो ज्यादा ठंडा होता है और न ही ज्यादा गर्म, जिससे पौधों की ग्रोथ तेजी से होती है. अगर आप अपने घर की छत, बालकनी या गार्डन में फलदार पौधे लगाना चाहते हैं, तो फरवरी सही समय है. इस महीने लगाए गए पौधे अच्छी तरह जड़ पकड़ते हैं और जल्दी फल देना शुरू कर देते हैं. आइए जानते हैं फरवरी में लगाए जाने वाले 5 बेहतरीन फलदार पौधों के बारे में. फरवरी में कौन-से फलदार पौधे लगाएं?

- **पपीता :** पपीता तेजी से बढ़ने वाला पौधा है और इसे उगाना काफी आसान होता है। फरवरी में पपीते का पौधा लगाने से यह अच्छी ग्रोथ करता है। पपीता विटामिन A और C से भरपूर होता है और पाचन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे धूप वाली जगह पर लगाना चाहिए और नियमित पानी देना जरूरी होता है।
- **ब्लूबेरी :** ब्लूबेरी पौधा पोषक तत्वों से भरपूर फल देता है और एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसे हल्की मिट्टी और अच्छी जल निकासी वाली जगह पर लगाना चाहिए। फरवरी में लगाया गया ब्लूबेरी पौधा अच्छी ग्रोथ करता है।

- **अंजीर का पेड़ :** अंजीर का पौधा गर्म और मिडीयम जलवायु में अच्छी तरह बढ़ता है। फरवरी में इसकी रोपाई करने से पौधा मजबूत बनता है। अंजीर फाइबर और मिनरल्स से भरपूर होता है और सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है।

- **नींबू :** नींबू का पौधा इंडिया में काफी पॉपुलर है। फरवरी में इसे लगाने से पौधा जल्दी विकसित होता है और साल भर फल देता है। नींबू विटामिन C का अच्छा स्रोत है और किचन में रोजाना इस्तेमाल होता है।
- **स्ट्रॉबेरी :** स्ट्रॉबेरी ठंडे और हल्के गर्म मौसम में अच्छी तरह उगती है। फरवरी में इसे गमले या ग्रो बैग में आसानी से लगाया जा सकता है। सही देखभाल करने पर कुछ ही महीनों में मीठी और रसदार स्ट्रॉबेरी मिलने लगती है।

अगर आप अपने घर में ताजे और ऑर्गेनिक फल उगाना चाहते हैं, तो फरवरी में इन पौधों की रोपाई जरूर करें. सही देखभाल और नियमित पानी देने से ये पौधे जल्दी फल देने लगते हैं.

ठंड में हाथ-पैर ठंडे और नाखून नीले?

जानें कब जाना चाहिए डॉक्टर के

सर्दियों के मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए हमारी शारीरिक प्रणाली अतिरिक्त मेहनत करती है। ठंड के दौरान ड्राई स्किन, सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं आम हैं, लेकिन नाखूनों का नीला पड़ना अक्सर नजरंदाज कर दिया जाता है। डॉक्टरों के अनुसार यह बदलाव मामूली भी हो सकता है और गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी।

ठंड लगने पर शरीर दिल और दिमाग जैसे जरूरी अंगों को गर्म रखने को प्राथमिकता देता है। इसके लिए हाथ-पैर, कान और नाक की रक्त नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं जिसे मेडिकल भाषा में वेसोकंस्ट्रिक्शन कहा जाता है। इससे उंगलियों और नाखूनों तक ऑक्सीजन युक्त खून कम पहुंचता है और नाखून नीले या बैंगनी दिखने लगते हैं। इसे पेरिफेरल सायनोसिस कहा जाता है। आमतौर पर शरीर गर्म होते ही यह स्थिति ठीक हो जाती है।

कब हो सकती है चिंता की बात?

अधिकतर स्वस्थ लोगों में यह समस्या अस्थायी होती है। लेकिन यदि गर्म होने के बाद भी नाखून नीले रहें, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। डॉक्टर के अनुसार, यह फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग, जन्मजात हार्ट डिफेक्ट या हार्ट फेल्योर का संकेत भी हो सकता है। इसके अलावा डायबिटीज, स्मोकिंग, या धमनियों के सिकुड़ने (एथेरोस्क्लेरोसिस) से भी ब्लड फ्लो प्रभावित होता है जिससे हल्की ठंड में भी नाखून नीले पड़ सकते हैं।

तुरंत डॉक्टर से मिलें अगर—

नाखूनों का रंग नीला रहने के साथ दर्द या सुन्नता हो। उंगलियों में सूजन, घाव या त्वचा में बदलाव दिखें। सांस फूलना, चक्कर या सीने में दर्द महसूस हो।

सर्दियों में नाखून और सर्कुलेशन कैसे रखें स्वस्थ?

हाथ-पैर हमेशा गर्म रखें। अचानक तेज ठंड के संपर्क से बचें। धूम्रपान छोड़ें। नियमित रूप से हल्की एक्सरसाइज करें। डायबिटीज और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखें।

पंचाह्निका तपोत्सव की गौरवशाली परंपरा

जैन धर्म की तप, त्याग और संयम की गौरवशाली परंपरा को उजागर करती एक अत्यंत पावन धार्मिक घटना के रूप में रामनगर, साबरमती स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय के पार्श्वनाथ आराधना भवन में पंचाह्निका तपोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

यह तपोत्सव 108 फुट के आदिनाथ दादा के प्रेरक, जंबूद्वीप, नागेश्वर, मांडवगढ़ एवं माणिभद्र तीर्थों के उद्धारक व मार्गदर्शक गुरुदेव प.पू. आ. भ. श्री अशोकसागर सूरीश्वरजी म.सा. के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यदक्ष एवं विनयी प.पू. आ. म. श्री सौम्यचंद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा., वर्धमान तप के आराधक प.पू. आ. म. श्री विवेकचंद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा., प्रवर्तक प.पू. श्री धैर्यचंद्रसागरजी म.सा. तथा प.पू. सा. श्री वसंतप्रभाश्रीजी म.सा. की शिष्या, भीष्म तपस्विनी प.पू. सा. श्री गिरांशु श्रीजी म.सा. की दिव्य तपशक्ति से वर्धमान तप की 100वीं ओली की पूर्णता का मंगल अवसर मनाया गया। इस पावन प्रसंग पर पारणा श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपप्रमुख ट्रस्टी श्री संजय जीवनलाल शाह एवं महिला विभाग की उपप्रमुख श्रीमती अल्पा संजय शाह के वरद हस्तों से संपन्न हुआ। यह शुभ अवसर 01 फरवरी 2026 (रविवार) को श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया। अल्पायु से आरंभ की गई कठोर तपश्चर्या, अखंड आराधना एवं संयममय जीवन के माध्यम से तपस्विनी श्री का जीवन आज समाज के लिए प्रेरणा का जीवंत प्रतीक बन चुका है। पंचाह्निका तपोत्सव के दौरान तपवंदना, अनुमोदना, विनंती, श्रमण–श्रमणियों का वंदन, पाँच छोड़े का उद्यापन सहित विविध तप आराधनाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक साधु–साध्वी भगवंतों की पावन उपस्थिति से संपूर्ण वातावरण भक्ति, साधना और आत्मशुद्धि के भावों से ओत-प्रोत हो गया। तपस्विनी श्री द्वारा संपन्न 108 उपवास गुणसंवरण, 7400 दीर्घ आयंबिल, 18 मासक्षमण एवं अन्य दुर्लभ तपश्चर्याओं ने जैन समाज में तप–महिमा, संयम और आध्यात्मिक उन्नति के मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ किया है। साथ ही प.पू. सा. श्री गिरांशु म.सा. की वाक्पटुता एवं प्रवचन प्रभाव ने समाज में धर्मजागृति को नई दिशा प्रदान की है। इस पावन अवसर पर साबरमती संघ अध्यक्ष श्री जयंतिभाई संघवी (रत्नमणि), धर्मे ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री धर्मेशभाई शाक, श्री जशवंतलाल नेमचंद शाह सहित अनेक साधु–साध्वी, जैन ट्रस्टी, संघ पदाधिकारी, धर्मप्रेमी महानुभाव एवं संस्था सदस्य उपस्थित रहे। हजारों की संख्या में श्रावक–श्राविकाओं की उपस्थिति से यह तपोत्सव अत्यंत भव्य एवं स्मरणीय बना।

कई समस्याओं का समाधान है तुलसी का पानी

तुलसी का पौधा ज्यादातर घरों में मिलता है। औषधीय गुणों से भरपूर तुलसी का धार्मिक रूप से भी काफी महत्व है। तुलसी का सेवन कई तरह से किया जा सकता है। जैसे इसके पत्तों को चबाकर या फिर इन पत्तों को उबालकर। हालांकि तुलसी के पानी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। अब जानते हैं रोजाना तुलसी के पत्ते का पानी पीने से क्या फायदे होते हैं।

दिल का रखे ख्याल

तुलसी दिल को स्वस्थ बनाए रखने का कारगर उपाय है। नियमित रूप से इसके पानी का सेवन करने से हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

पाचन करे दुरस्त

तुलसी के पानी का सेवन करने से पाचन तंत्र सही रहता है। इससे गैस जैसी समस्या से काफी हद तक राहत मिलती है।

सर्दी-खांसी में राहत

तुलसी के पत्ते संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। नियमित रूप से तुलसी का पानी पीने से सर्दी, खांसी और गले की सूजन से काफी हद तक राहत मिलती है।

तनाव करे कम

तुलसी तनाव और चिंता को कम करने में बहुत मददगार साबित हो सकती है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से माइंड और बॉडी रिलेक्स रहता है।

डिटॉक्स में सहायक

अगर आप खाली पेट में तुलसी का पानी पीते हैं तो शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

ऐसे बनाएं तुलसी का पानी

- इसका पानी बनाने के लिए पहले तुलसी के पत्तों को अच्छे से धो लें।
- एक पतीले में 2 कप पानी में तुलसी की पत्तियों को 10 मिनट उबाल लें।
- अब इस पानी को एक कप में छान कर पी लें।

अबूझमाड़ पीस मैराथन

दुर्ग की अधिवक्ता दसोदा सिक्का ने लहराया परचम, 21 किमी की दौड़ में पाया 5वां स्थान

नारायणपुर/दुर्ग विशेष संवाददाता। नारायणपुर के अबूझमाड़ में शांति और एकता का संदेश लेकर आयोजित 'पांचवें अबूझमाड़ पीस मैराथन' में दुर्ग जिले ने गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिला न्यायालय दुर्ग के अधिवक्ता संघ की सदस्य सुश्री दसोदा सिक्का ने महिला वर्ग की ओपन श्रेणी (21 किलोमीटर हाफ मैराथन) में अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी- 31 जनवरी की सुबह 6:00 बजे नारायणपुर के हाई स्कूल ग्राउंड से इस दौड़ का भव्य आगाज हुआ। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किया। इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य नारायणपुर और अबूझमाड़ क्षेत्र में शांति, सौहार्द और एकता की भावना को सुदृढ़ करना है।

दसोदा सिक्का की शानदार टाइमिंग- दुर्ग जिला अधिवक्ता संघ की सक्रिय सदस्य दसोदा सिक्का ने कड़े मुकाबले के बीच 21 किलोमीटर की दूरी को मात्र 1 घंटा 43 मिनट 50 सेकंड में पूरा कर पांचवां स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर दुर्ग जिला न्यायालय और अधिवक्ता संघ में हर्ष का माहौल है।

देश-विदेश के 5000 धावकों ने भरा जोश- मैराथन में छत्तीसगढ़ के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों और विदेशों से आए लगभग 5000 से अधिक प्रतिभागियों ने शिरकत की। प्रतियोगिता को तीन मुख्य श्रेणियों (ओपन श्रेणी, बस्तर संभाग श्रेणी और नारायणपुर जिला श्रेणी)

अधिवक्ता जसोदा द्वड्डुद्व नारायणपुर में मैराथन दौड़कर पुरस्कार अपने नाम किया दुर्ग कोर्ट के अधिवक्ताओं लिए गौरव की बात है आपको बहुत-बहुत बधाई

में विभाजित किया गया था। राज्य सरकार और नारायणपुर पुलिस के बेहतर समन्वय से सभी प्रतिभागियों के लिए टी-शर्ट, मेडल और स्वल्पाहार की उत्कृष्ट व्यवस्था

की गई थी।

शांति का संदेश बना आकर्षण का केंद्र- नारायणपुर पुलिस द्वारा आयोजित इस मैराथन ने एक बार फिर यह साबित किया कि खेल के माध्यम से अबूझमाड़ की तस्वीर बदल रही है। दुर्ग की बेटी दसोदा सिक्का की इस सफलता ने यह भी दर्शाया है कि कानून की बारीकियों के साथ-साथ अधिवक्ता वर्ग खेल के मैदान में भी अग्रणी है। इस अवसर पर दुर्ग जिला अधिवक्ता संघ के मनदीप सिंह, जया श्रीवास्तव, नंदनी चंद्रवंशी,पूनम मांझी, अनामिका,सारिका, सहित अन्य लोगों ने बधाई दी।

आज हमारी बेटी जसोदा सिक्का ने जैसे ही जिला अधिवक्तासंघ दुर्ग पर आगमन हुआ संघ के पूर्व अध्यक्ष गुलाब सिंह पटेल ने उनका पुष्पगुच्छ देकर तथा मुंह मीठा करवाकर संघ के अन्य सदस्यों ने जिनमें स्टेट बार काउंसिल के सदस्य श्री नरेंद्र सोनी जी ,संघ के पूर्व उपाअध्यक्ष,फारुख जी,पूर्वकोषाध्यक्ष मनोज मून ,वरिष्ठ अभिभाषक अमोद पाठक,पूर्व कार्यकारणी सदस्य आलोक सरस्वत,वरिष्ठ अभिभाषक,प्रभात पांडेय ,अशोक यादव,हर्ष दुबे,निशा सिंह,आंचल,काजल मिश्रा ,कु आकांअक्षा जयसवाल,कु सविता पास्र-द्धद्द4,रेखा दुवे, आदि अधिवक्ताओं ने स्वागत कर संघ को गौरवान्ति तथा महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनी,साथ ही राज्य शासन ने उन्हें दस हजार रुपए की राशि प्राप्त करने पर बधाई व शुभकामनाएं दी।

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला ने किया 'लोकतंत्र प्रहरी' एवं 'एस आर हॉस्पिटल' के संयुक्त कैलेंडर का विमोचन

रायपुर/दुर्ग /विशेष संवाददाता। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित एक सादगीपूर्ण समारोह में राजधानी रायपुर के प्रथम पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला ने 'लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप' और 'एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज, दुर्ग' के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने दोनों संस्थाओं द्वारा समाज के प्रति निभाई जा रही जिम्मेदारियों की जमकर सराहना की।

वार्षिक कलेन्डर के विमोचन के अवसर पर राजधानी के पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला ने कहा कि मीडिया और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थान समाज के दो सबसे मजबूत स्तंभ हैं। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की निष्पक्ष पत्रकारिता और एस आर हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज द्वारा चिकित्सा व शिक्षा

के क्षेत्र में प्रदान की जा रही सेवाएं समाज के लिए अनुकरणीय हैं।उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे जनहित में किए जा रहे कार्य न केवल सम्पूर्ण समाज को लाभ पहुंचाते हैं, बल्कि लोकतंत्र को भी मजबूती प्रदान करते हैं।

डॉ शुक्ला ने दोनों संस्थानों के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने प्रदेशवासियों सहित लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप और एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज की पूरी टीम को नव वर्ष 2026 की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विमोचन समारोह में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल की टीम से ओम नमः शिवाय व नाहीद खान संतोष देवांगन अफ्सार निशा सहीत पूरी टीम उपस्थित रही।

भक्त माता कर्मा की 1010 वीं जयंती के साथ भरर में होगा सामूहिक आदर्श विवाह, तहसील साहू संघ पाटन की बैठक संपन्न

अम्लेश्वर। तहसील साहू संघ पाटन के तत्वाधान में होने वाले विशाल कर्मा जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति तहसील के पांचो परिक्षेत्र में से एक परिक्षेत्र में आयोजित किया जाता है। उसी क्रम में इस वर्ष जामगांव आर परिक्षेत्र के स्थानीय साहू समाज ग्राम भरर में आयोजित किया जा रहा है। जिसकी रूपरेखा तैयार करने के लिए 30 जनवरी को तहसील साहू संघ पाटन के द्वारा आवश्यक बैठक रखा गया। बैठक में तहसील के पदाधिकारियों के द्वारा 25 एवं 26 अप्रैल को विशाल कर्मा जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह आयोजन ग्राम भरर में करने की सहमति बनी जिस पर उपस्थित सदन के सदस्यों ने समर्थन देकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया। तहसील अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने कहा कि इस वर्ष भक्त माता कर्मा की 1010 वीं जयंती के साथ महिला सम्मेलन का

भी कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रथम दिवस 25 अप्रैल कलश यात्रा के साथ महिला सम्मेलन का आयोजन होगा। तत्पश्चात दूसरे सत्र में 26 अप्रैल को मां कर्मा की महाआरती के साथ सामूहिक आदर्श विवाह उपस्थित वर वधु जोड़ा का संपन्न होगा एवं अतिथियों का आगमन उद्बोधन एवं वर वधु की विदाई के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा जिसकी तैयारी तहसील साहू संघ पाटन जामगांव आर परिक्षेत्र स्थानीय साहू समाज भरर के द्वारा किया जाएगा।आने वाले समय में अब कार्यक्रम को लेकर लगातार बैठक का दौर जारी रहेगा और अन्य गतिविधी पर चर्चा होगी। तहसील अध्यक्ष साहू ने आगे कहा कि 26 अप्रैल को होने वाले सामुहिक आदर्श विवाह में सामाजिक लोगो से शादी करने का आग्रह किया है साथ ही इकाई और परिक्षेत्र के अध्यक्ष गणों से वर वधु को आदर्श विवाह में शामिल करने के लिए प्रेरित करने का निवेदन किया।जिससे ज्यादा से ज्यादा जोड़ा शामिल किया जा सके।स्थानीय स्तर पर जोर शोर से कार्य करने से निश्चित ही सफलता मिलेगी। इस अवसर पर जिला साहू संघ महासचिव अश्वनी साहू, तहसील उपाध्यक्ष डूलेश्वर साहू,विमला साहू, संगठन सचिव सुरेंद्र साहू, भुनेश्वरी साहू तहसील साहू संघ पाटन महासचिव महेन्द्र कुमार साहू, कोषाध्यक्ष नारद साहू, परिक्षेत्रिय अध्यक्ष टेसराम साहू सहित, गंगादीन साहू,डॉ सुरेश कुमार साहू ,श्रीमती गीता साहू, दिलीप साहू , श्रीमती हेमलता साहू, विनोद साहू, रोहित साहू , मधुकांत साहू , योगेश साहू ,श्रीमती कोमिन साहू , श्रीमती खेमलता साहू, श्रीमती कालिन्दी साहू, छन्नू लाल साहू , राजेन्द्र साहू , रमेश कुमार साहू, धनेश्वर साहू , मुकेश साहू, गैंद सिंग साहू , संजू साहू, हितेन्द्र कुमार साहू, बीरेन्द्र साहू, शीतल साहू, युगल साहू, साथ ही अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बजट 2026 27 गांव से शहर तक विकास का स्वर्णिम अध्याय लिखने वाला है : जितेन्द्र वर्मा

दुर्ग। केंद्र सरकार ने संसद के लोकसभा सत्र में सदन के पटल पर वर्ष 2026-27 का बजट रखा हैं। केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा जी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक मजबूत और निर्णायक कदम है। भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि यह पहला बजट है, जो कर्तव्य भवन में बना है। इस बजट के तीन प्रमुख कर्तव्य हैं - आर्थिक ग्रोथ को बढ़ावा देना, जनता की उम्मीदों को पूरा करना, सबका साथ, सबका विकास। भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने आगे कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूर्ण करने की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है, जिसमें गरीब, किसान, युवा, महिला, मध्यम

वर्ग, व्यापारी, श्रमिक एवं उद्यमियों सभी वर्गों व क्षेत्रों के हितों का समावेश किया गया है। इस बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार सृजन, स्टार्टअप, एमएसएमई, डिजिटल इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत को नई गति देने वाले प्रावधान किए गए हैं। भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि इंडिया सेमिकंडक्टर मिशन (आईएसएम) 2.0 का शुभारंभ जल्द करने की घोषणा की गई है। इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट विनिर्माण योजना के लिए परिव्यय बढ़कर 40,000 करोड़ रुपये हो जाएंगे, खादी, हथकरघा और हस्तशिल्पों को बढ़ावा देने के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल का शुभारंभ किया जाएगा। प्राकृतिक, मानव निर्मित और न्यू ऐज फाइबर में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना, लघु, मध्यम उद्यमों को चैंपियन बनाना और सूक्ष्म उद्यमों को सहायता प्रदान करने की योजना।

महापौर के मार्गदर्शन में प्रभारी देव नारायण की समिति के सदस्यों के संग बैठक, दुर्ग के सर्वांगीण विकास को मिली रफ्तार

- नाला, सड़क, तालाब और नदी तट विकास पर निगम का बड़ा एक्शन प्लान

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार के दूरदर्शी मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम दुर्ग में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर की अध्यक्षता में समिति के सदस्यों के साथ बजट संबंधी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों के साथ शहर के सर्वांगीण विकास, आधारभूत संरचना को मजबूत करने एवं जनसुविधाओं के विस्तार को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। नाला, सड़क व नदी तट विकास पर निगम का बड़ा एक्शन प्लान- शंकर नगर नाला सहित शहरभर में साफ-सफाई और अतिक्रमण हटाने के निर्देश-बैठक के दौरान महापौर के निर्देशानुसार शंकर नगर नाला में रिटर्निंग वॉल एवं साइड से एप्रोच रोड निर्माण, नियमित

साफ-सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा अतिक्रमण हटाने के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। साथ ही शहर के जलनिकासी तंत्र को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। 1.20 करोड़ की लागत से 2 किलोमीटर नाला निर्माण को मिली स्वीकृति तालाबों के सौंदर्यीकरण पर भी बनी ठोस कार्ययोजना बैठक में वर्धमान धर्मशाला से सरस्वती नगर ए.एच.पी. होते हुए नदी रोड तक लगभग 2 किलोमीटर लंबाई में नाला निर्माण (वार्ड क्रमांक 31, 34 एवं 35) हेतु अनुमानित लागत राशि 1.20 करोड़ रुपये निर्धारित की गई। इसके साथ ही दुर्ग शहर के समस्त वार्डों में स्थित तालाबों के सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने पर भी सहमति बनी। बैठक में शिवनाथ नदी किनारे एप्रोच रोड से लेकर आरसीसी नाली तक विकास कार्यों को हरी झंडी शहर की आधारभूत संरचना होगी और अधिक मजबूत- बैठक में शिवनाथ नदी से राजनांदगांव रोड तक नदी किनारे एप्रोच रोड निर्माण, मुक्तिधाम से शिवनाथ नदी किनारे शव दफ्नाने वाले मार्ग तक एप्रोच रोड निर्माण, शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के पास सर्वसुलभ शौचालय निर्माण तथा गंजपारा चौक से प्रिंस बार होते हुए पुलगांव नाला तक 500 मीटर लंबाई में आर.सी.सी. नाली एवं पुलिया निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश ने बटंग में निषाद और पटेल भवन का लोकार्पण कर कहा, कांग्रेस सरकार ने समाज को आर्थिक रूप मजबूत करने का काम किया

अम्लेश्वर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने विधानसभा क्षेत्र पाटन के के ग्राम बटंग में निषाद समाज एवं पटेल समाज के सामाजिक भवन का लोकार्पण कर समाज को समर्पित किया। आपको बता दें निषाद समाज द्वारा आयोजित गुहा निषाद राज जयंती समारोह में शामिल हुए बघेल ने सामाजिक एकता और संगठन को मजबूती के लिए अपने कार्यकाल में निषाद समाज एवं पटेल समाज के लिए भवन स्वीकृत किया गया था जिसका निर्माण पूर्ण होने के बाद बघेल ने लोकार्पण किया है। बघेल ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में लगातार समाज हित में अनेकों कार्य किए गए हैं। निषाद समाज के लिए मछुआ नीति को कृषि के दर्जा देकर आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया गया साथ ही समाज के सम्मान के लिए बिलासपुर एयरपोर्ट को बिलासा देवी निषाद के नाम से नामकरण किया गया। बघेल ने कहा कि पटेल समाज मेहनत कस समाज

है उनके उत्थान के लिए लगातार कांग्रेस के शासनकाल में कार्य किया देश की पहली शिक्षिका सावित्री बाई फुले रही जो पटेल समाज से आती है। जिसका भी फोटो छत्तीसगढ़ के प्रत्येक विद्यालय में लगाने का काम कांग्रेस सरकार ने किया है। लगातार समाज के सम्मान के लिए कांग्रेस सरकार ने काम किया है। आज भाजपा के सरकार में किसान धान बेचने के लिए भटक रहे हैं, एक-एक दाना खरीदने की वादा करने वाली भाजपा सरकार आज किसानों के धान को खरीदने में असफल रही है। कई किसानों के धान भी नहीं बिक पाया है जिससे किसानों में भाजपा सरकार के प्रति असंतोष है। निश्चित ही हमारी सरकार ने किसान को मजबूत करने का काम किया और हमारे शासनकाल में किसान को किसी भी तरह का की धान बेचने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा। भाजपा के शासनकाल में किसानों के धान का सत्यापन किया जा रहा है घरों और कोठार में जाकर के धान का चेकिंग भाजपा के शासनकाल में किया जा रहा है जो निंदनीय है। इस अवसर पर कांग्रेस नेता आशीष वर्मा,पूर्व मछुआ कल्याण बोर्ड के सदस्य देव कुमार निषाद, अशोक कुमार निषाद, ब्लॉक अध्यक्ष मोहन साहू,सरपंच गैंद लाल वर्मा, निषाद, पुरुषोत्तम पटेल, चंद्रकुमार पटेल , लक्ष्मीनाथ पटेल, गुमान वर्मा, तोरण साहू सहित ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कलचुरीकालीन शिव मंदिर देवबलोदा महोत्सव को लेकर निगम में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

भिलाई-3/चरौदा। ऐतिहासिक कलचुरीकालीन शिव मंदिर देवबलोदा में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले महाशिवरात्रि महोत्सव को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने को लेकर नगर निगम भिलाई-चरौदा के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम क्षेत्र के सभी 40 वार्डों के पार्षद शामिल हुए और सर्वसम्मति से देवबलोदा महोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया गया। नगर निगम भिलाई-चरौदा के वार्ड देवबलोदा के अंतर्गत वर्तमान में वार्ड क्रमांक 31, 32 और 33 आते हैं। इन्हीं वार्डों में कलचुरीकालीन ऐतिहासिक शिव मंदिर स्थित है, जो क्षेत्रवासियों के लिए आस्था और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक माना जाता है। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर

हजारों श्रद्धालु देवबलोदा पहुंचकर भगवान शिव के इस प्राचीन धाम में दर्शन-पूजन करते हैं। बड़ी संख्या में कांवरिया भी जलाभिषेक के लिए यहां आते हैं। स्थानीय प्रशासन एवं नगर निगम भिलाई-चरौदा द्वारा परंपरागत रूप से देवबलोदा मेला स्थल पर सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी महोत्सव के सफल आयोजन हेतु निगम कार्यालय में बैठक रखी गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्था और जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। बैठक में महापौर निर्मल कोसरे, सभापति कृष्णा चंद्राकर, नेता प्रतिपक्ष रामखिलावन वर्मा, उप नेता प्रतिपक्ष चंद्रप्रकाश पांडेय सहित सभी वार्ड पार्षद मौजूद रहे। इसके अलावा निगम के कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा और निगम सचिव अश्वनी चंद्राकर भी बैठक में उपस्थित थे।

महापौर अलका बाघमार को जन्मदिन पर सुबह से बधाइयों का तांता

भाजपा के दिग्गज नेताओं ने दूरभाष पर दी शुभकामनाएं

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार को उनके जन्मदिन के अवसर पर शनिवार को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। सुबह से ही सिविल लाइन गौरव पथ स्थित उनके आवास एफ -4 में शुभचिंतकों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा। अपने लोकप्रिय नेता के जन्मदिन को यादगार बनाने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने विभिन्न तरीकों से खुशियां मनाई। किसी ने केक कटवाया तो किसी ने मिठाइयाँ बांटी।जन्मदिन के स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओ द्वारा आतिशबाजी की गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा आतिशबाजी भी की गई। शुभचिंतकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर

महापौर को जन्मदिन की बधाई दी तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। महापौर अलका बाघमार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी मुख्यमंत्री अरुण साव, डिप्टी मुख्यमंत्री विजय शर्मा,भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय,स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने दूरभाष पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्यगण नरेंद्र बंजारे, देव नारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, लीना दिनेश देवांगन,ज्ञानेश्वर ताम्रकार, शिव नायक, नीलेश अग्रवाल, लीलाधर पाल, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, पूर्व विधायक अरुण वोरा,आर.एन. वर्मा,अरुण सिंह, मनमोहन शर्मा सहित भाजपा, कांग्रेस एवं निर्दलीय पार्षदगण, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी व भाजपा जिला पदाधिकारी, वरिष्ठ भाजपा नेता, मंडल अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ नेता महापौर निवास पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।महापौर के जन्मदिन को लेकर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला।

टैक्स जमा करने 5 साल से टाल मटोल करने वालों पर गिरेगी गाज

रिसाली। रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने ऐसे बकायादारों की सूची तैयार कराई है जो लंबे समय से टैक्स जमा करने में कोताही बरत रहे है। बकायादारों के घर पर लगे नल कनेक्शन को पहले विच्छेद किया जाएगा। बाद में बकाया टैक्स की राशि वसूल करने कुर्की की जाएगी। संपत्तिकर विभाग के प्रभारी अधिकारी रवि श्रीवास्तव ने बताया कि कई लोग ऐसे है जो लंबे समय से टैक्स जमा करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। निगम से वे सारी सुविधाएं भी ले रहे। ऐसे लोगो की संख्या पहली सूची में 19 है। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि टैक्स जमा करने धारा 173 के तहत नोटिस जारी किया गया है। नोटिस के बाद भी टैक्स जमा नहीं करने पर नल कनेक्शन अलग करने की कार्यवाही की जाएगी। राशि जमा नहीं करने पर 174 की नोटिस देकर कुर्की कार्यवाही की जाएगी। इन्हें दी मोहलत- मांगरी देवी आजाद मार्केट को 151689 रूपए जमा करने नोटिस थमाया है। इसी तरह बुनिया देवी आजाद मार्केट को 813713 व 2221740, प्रदीप मैत्री नगर को 191548, अखिलेश यादव मैत्री नगर को 130328, शमीम अहमद मैत्री नगर 150497, नवीन सिंह मैत्री नगर को 138078, ओम प्रकाश वर्मा वैभव ट्रेडर्स को 375959, राम ध्रुव विश्वकर्मा स्टेशन मरोदा को 1648681, ओंकार कश्यप स्टेशन मरोदा को 364332, आजाद स्कूल स्टेशन मरोदा को 809353।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com